twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 25 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 168, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आया: मोदी

हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आस्था पर हमला करने का दुस्साहस किया है: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को बिहार के मधुबनी में एक जनसभा के दौरान कहा कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों और साजिशकर्ताओं को उनकी कल्पना से परे सजा दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवारजनों का अभी इलाज चल रहा है, वे जल्द स्वस्थ हों, इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि ये हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है, देश के दुश्मनों ने भारत की आस्था पर हमला करने का दुस्साहस किया है। इस आतंकी हमले में किसी ने अपना बेटा खोया, किसी ने अपना भाई और किसी ने अपना जीवनसाथी खोया है। उनमें से कोई बांग्ला बोलता था, कोई कन्नड़ बोलता था, कोई ओड़िया, कोई मराठी था, कोई गुजराती था, कोई यहां बिहार का लाल था। आज उन सभी की मृत्यु पर कारगिल से कन्याकुमारी तक हमारा दुःख और आक्रोश एक जैसा है। प्रधानमंत्री ने कड़े शब्दों में कहा कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने कहा, मैं पूरी दुनिया से कहता हूं कि भारत हर आतंकी और उनके समर्थकों की पहचान करेगा, उन्हें ट्रैक करेगा और उन्हें दंडित करेगा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को सजा मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। पूरा देश इस संकल्प पर अडिग है।

उन्होंने कहा कि 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों और नेताओं का आभार व्यक्त किया जो इस मुश्किल समय में भारत के साथ खड़े हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस के इस कार्यक्रम में 13,480 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक संसद भवन में हुई है। इस बैठक में सबसे पहले पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार को मिला विपक्ष का साथ

नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद बनी स्थिति को लेकर सरकार की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सरकार को विपक्ष का भी साथ मिल गया। सबने एक स्वर में सरकार की आतंकवाद से निपटने की किसी भी तरह की कार्रवाई का समर्थन किया है।

साथ ही कहा कि यह घटना बहुत हृदयविदारक है। जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है उन्हें बिल्कुल भी बख्शा न जाए। जरूरत पड़ने पर पाकिस्तान के भीतर घुसकर कार्रवाई करने जैसे सुझाव दिए गए है।

इस बीच सरकार ने भी घटना के बाद पीड़ितों की मदद और आतंकवादियों और उनके पनाहगारों के खिलाफ भी उठाए गए कदमों से भी विपक्षी दलों को अवगत कराया है।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को बुलाई गई इस सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित लगभग सभी विपक्षी दलों के नेता मौजूद थे। करीब दो घंटे चली बैठक में सबसे पहले पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मौन रहकर शोक व्यक्त किया गया।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी आज पहलगाम जाएंगे

नई दिल्ली। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पहलगाम हमले के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का दौरा करेंगे। पहलगाम में आतंकवादी हमले के एक दिन बाद जम्मू-कश्मीर के उधमपुर के बसंतगढ़ में आतंकवादियों के साथ हुई मुठभेड़ में एक सैनिक का सर्वोच्च बलिदान हुआ है। सेना प्रमुख को शीर्ष कमांडर घाटी में और नियंत्रण रेखा पर सैन्य आतंकवाद विरोधी उपायों के बारे में जानकारी देंगे। इस दौरान 15 कोर कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य कमांडर मौजूद रहेंगे। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बैठक करके जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा की है।

जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले में महाराष्ट्र के पुणे जिले के रहने वाले कौस्तुभ गणबोटे की भी आतंकियों ने हत्या की थी। वहीं कौस्तुभ की पत्नी संगीता ने इस भीषण आतंकी हमले की दास्तां बयां की है। जिसे सुनकर हर किसी का खून खौल उठेगा।

यह कायराना और पूर्व नियोजित आतंकी हमला है: कांग्रेस

नई दिल्ली

कांग्रेस ने पहलगाम हमले के मद्देनजर अपनी सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में बैठक की। बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में आतंकी हमले की निंदा करते हुए शांति की अपील की गई। पार्टी ने भाजपा पर निशाना साधा और जम्मू-कश्मीर के लोगों की आजीविका पर हमले के असर पर चिंता जाहिर की। कांग्रेस ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह इस गंभीर त्रासदी का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस ने अपने प्रस्ताव में कहा, यह अत्यंत चौंकाने वाली बात है कि भाजपा इस गंभीर त्रासदी का दुरुपयोग अपने आधिकारिक और परोक्ष सोशल मीडिया मंचों के माध्यम से और अधिक वैमनस्य, अविश्वास, ध्रुवीकरण और विभाजन फैलाने के लिए कर रही है, जबकि इस समय सबसे अधिक आवश्यकता एकता और एकजुटता की है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले में 26 निर्दोष

कांग्रेस मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती है

हादसे पर दुख जताते हुए समिति की बैठक में मौन रखा गया। सीडब्ल्यूसी ने प्रस्ताव में कहा कि यह कायराना और पूर्व नियोजित आतंकी हमला है। कांग्रेस मारे गए पर्यटकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती है। समिति ने शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता जताई और कहा कि वे इस कठिन समय में उनके साथ हैं। पार्टी ने विशेष तौर पर स्थानीय पोनीवाला (खच्चर से ले जाने वालों) और टूरिस्ट गाइडों को श्रद्धांजलि दी, जिनमें से एक ने पर्यटकों की रक्षा करते हुए जान गंवा दी।

पर्यटकों की जान गई और 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा सहित अन्य नेता मौजूद रहे। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने बैठक के बाद प्वार्ता कर जानकारी दी।

कश्मीर के लोगों की आजीविका की भी रक्षा जरूरी

पार्टी ने कहा कि पहलगाम अत्यंत सुरक्षित क्षेत्र माना जाता है। यहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू है। केंद्रशासित प्रदेश होने के नाते कानून-व्यवस्था सीधे-सीधे केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। हमले को अंजाम देने में हुई खुफिया विफलताओं और सुरक्षा चूक की व्यापक और गहन जांच की जानी चाहिए। कांग्रेस ने अमरनाथ यात्रा की तैयारी के मद्देनजर तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने की मांग की। पार्टी ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को तुरंत मजबूत और पारदर्शी बनाना चाहिए। सीडब्ल्यूसी ने यह भी उल्लेख किया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों की आजीविका को सुरक्षित रखना आवश्यक है। पार्टी ने कहा, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर के उन लोगों की आजीविका की भी रक्षा की जानी चाहिए, जिनका जीवन पर्यटन पर निर्भर करता है। यह कार्य पूरी ईमानदारी और गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए।

आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान को व्यापार के मोर्चे पर भी करारा झटका देने के मूड में

नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार पाकिस्तान को व्यापार के मोर्चे पर भी करारा झटका देने के मूड में है। सिंधु जल संधि को निलंबित करने और पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करने जैसे कड़े फैसले लेने के बाद अब भारत सरकार दोनों देशों के बीच अनौपचारिक चैनल के जरिये अभी भी जारी व्यापार (इनडायरेक्ट ट्रेड) पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी है। वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव स्तर के एक अधिकारी के अनुसार अगले एक-दो दिन में ही पाकिस्तान से होने वाले इंपोर्ट और पाकिस्तान को होने वाले एक्सपोर्ट दोनों पर पूरी तरह से रोक लगाई जा सकती है। इसके लिए मंत्रालय की ओर से इंटरनल नोट तैयार कर लिया गया है। भारत और पाकिस्तान

केंद्र एक्शन की तैयारी में

केंद्र सरकार दोनों देशों के बीच के व्यापारिक संबंध के इस अनौपचारिक चैनल को भी पूरी तरह से प्रतिबंधित करने की बात पर विचार कर रही है। ऐसा होने से पाकिस्तान के सामने दूसरे देशों से ऊंची दर पर जीवन रक्षक दवाइयां और चीनी खरीदने की मजबूरी बन जाएगी। जहां तक पाकिस्तान से आने वाले ड्राई फ्रूट्स और कुछ खास तरह के फलों की बात है, तो भारत को इनकी आपूर्ति अन्य देशों से भी सहजतापूर्वक हो सकती है। इसलिए पाकिस्तान के साथ व्यापारिक संबंध को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर देने के बाद भी भारत को कोई परेशानी नहीं होगी, लेकिन पाकिस्तान को इसकी वजह से करारा झटका लग सकता है।

अटारी बॉर्डर: वापस लौटे 104 पाकिस्तानी, 29 भारतीय भी आए

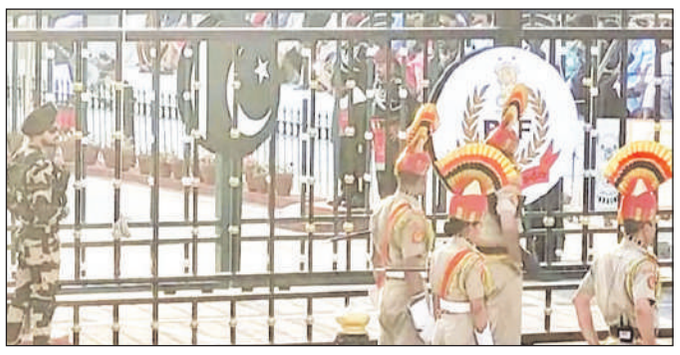

अमृतसर (पंजाब)

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार की ओर से पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के अंदर वापस जाने के आदेश दिए थे। वीरवार सुबह करीब आठ बजे से ही अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिक पहुंचने शुरू हो गए। उन सभी नागरिकों के दस्तावेज चेक करने के बाद बीएसएफ अधिकारियों ने उन्हें बॉर्डर क्रॉस करवा दिया गया। शाम करीब पांच बजे तक 104 पाकिस्तानी नागरिक अपने देश लौट गए। इसी तरह 29 भारतीय पाकिस्तान से भारत लौटे। रोजाना की तरह वाघा बॉर्डर पर बीएसएफ ने रिट्रीट सेरेमनी का आयोजन किया, लेकिन इस दौरान गेट बंद रखे गए। दोपहर तक सेरेमनी में पहुंचने वाले पर्यटकों को वापस भेजा जा रहा था लेकिन बाद में आदेश जारी कर बॉर्डर तक पहुंचे पर्यटकों को सेरेमनी की परमिशन दे दी गई। आम तौर पर रोजाना 25 हजार से ज्यादा पर्यटक सेरेमनी देखने आते हैं, लेकिन वीरवार को यह संख्या केवल तीन से चार हजार थी।

हम चाहते हैं दोनों देशों में शांति रहे

अटारी बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तानी लौटे महमूद अहमद ने कहा कि कुछ दिन पहले वह भारत अपने रिश्तेदारों से मिलने के लिए आए थे। वह चाहते हैं कि दोनों देशों के बीच शांति बनी रहे और दोनों तरफ के लोग आपस में मिलते रहे।

बहन बीमार, कराची जाना चाहती थी सीमा

कानपुर से आई सीमा नामक महिला को अटारी बॉर्डर से पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं मिली। सीमा ने रोते हुए कहा कि उसकी बहन चंदा आफताब कराची में है और वह गंभीर बीमार है। उससे मिलने के लिए पाकिस्तान से वीजा प्राप्त किया था। अब मुझे उस पार नहीं जाने दिया जा रहा। आतंकियों की क्रूरता के कारण इन दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

हुसैनीवाला व सादकी बॉर्डर पर हुई रिट्रीट सेरेमनी

फिरोजपुर के हुसैनीवाला बॉर्डर और फाजिल्का के सादकी बॉर्डर पर वीरवार को बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच रिट्रीट सेरेमनी हुई। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर रिट्रीट सेरेमनी में बीएसएफ जवानों ने अपना गुस्सा जाहिर किया। परेड में लोग काम आए थे। क्योंकि सोशल मीडिया पर यह खबरें चल रही थी कि रिट्रीट सेरेमनी नहीं होगी। जितने भी लोग पहुंचे उन्होंने दोनों देशों के बीच होने वाली रिट्रीट सेरेमनी देखी। बीएसएफ ने काफी सख्ती की हुई थी।

सिंधु जल संधि पर रोक पाक को करारा जवाब: धामी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भारत ने सिंधु जल संधि पर रोक लगाकर पाकिस्तान को करार जवाब दिया है। मुख्यमंत्री धामी ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सीसीएस बैठक में आतंकवाद के खिलाफ लिए गए ऐतिहासिक और कठोर निर्णय पर अब कार्रवाई प्रारंभ हो चुकी है। उठाए गए ये साहसिक कदम न केवल आतंकवाद के खिलाफ भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर मुहर लगाते हैं, बल्कि इससे दुश्मनों को भी यह स्पष्ट संदेश गया है कि भारत हर एक आतंकी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने का तैयार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सिंधु जल संधि पर रोक लगाकर साफ कर दिया है कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। इस निर्णायक फैसले से आतंक को पनाह और बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के मंसूबे चकनाचूर होंगे। इसी तरह अटारी बॉर्डर चेक पोस्ट को बंद करने सहित अन्य फैसलों से भी पाकिस्तान को कड़ा

आतंक के विषैले फनों को कुचला जाएगा: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कानपुर

पहलगाम आतंकी हमले का शिकार बने कानपुर के शुभम द्विवेदी का गुरुवार को ड्योढ़ी घाट पर हजारों लोगों की मौजूदगी में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कानपुर के लाल को अंतिम विदाई दी। परिवार को सांत्वना देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार सुबह शुभम के हाथीपुर (कानपुर) स्थित आवास पर पहुंचे और वहां उन्होंने शुभम के पार्थिव शरीर को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता से बातचीत की और उनकी पत्नी से पूरी आपबीती सुनी। परिवार को ढांढस बंधाने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पहलगाम में घटी आतंकी घटना क्रूर, वीभत्स और कायराना है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। उन्होंने परिवार समेत पूरे प्रदेश और देश के लोगों को भरोसा जताया कि यह सरकार आतंकी और उग्रवादी घटनाओं को जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कार्य कर रही है और जिन लोगों ने इस घटना को अंजाम दिया है पूरी शक्ति से

आतंक के इन विषैले फनों को कुचला जाएगा। उन्होंने कहा कि जो लोग इस साजिश का हिस्सा बने हैं, उन्हें परिणाम भुगतना होगा और आप सभी इसके साक्षी बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि हिंदू मां बहनों के साथ उनके सामने ही उनके सिंदूर के साथ जो बर्बरता की गई है, इसी प्रकार से आतंकवादियों और उनके आकाओं को उसकी सजा जरूर मिलेगी। इसमें कोई संदेह किसी को नहीं होना चाहिए।

आतंक के ताबूत में अंतिम कील ठोकने की हुई शुरूआत

शुभम के परिजनों को सांत्वना देने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर जो आतंकी हमला हुआ है उसमें कानपुर का नौजवान शुभम द्विवेदी भी शिकार हुआ है।

यह हमला एक क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है: योगी

सीएम ने कहा कि यह हमला एक क्रूर, वीभत्स, कायराना कृत्य है जिसकी भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के हर सभ्य समाज ने निंदा की है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अपनी अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर उनकी जाति और धर्म पूछकर हमला किया गया और बहन बेटियों के सामने उनके सिंदूर को उजाड़ा गया। यह कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की जो नीति रही है वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरूआत हो चुकी है।

सीएम योगी ने परिवार के साथ बांटा दर्द

मालूम हो कि शुभम का शव बुधवार रात को लखनऊ और फिर देर रात कानपुर पहुंचा। सीएम योगी के निर्देश पर शुभम का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान से किए जाने की व्यवस्था की गई। इस दुख की घड़ी में सीएम योगी भी परिवार के लोगों का दुख दर्द बांटने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने शुभम के पिता और फिर पत्नी से बातचीत की और पूरी आपबीती सुनी। शुभम की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, सांसद रमेश अवस्थी, मंत्री प्रतिभा शुक्ला समेत विधायक और अधिकारीगण मौजूद रहे।

नौसेना ने युद्धपोत सूरत से अरब सागर में दागी मिसाइल, सीधे लक्ष्य पर लगा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने गुरुवार सुबह युद्धपोत आईएनएस सूरत से मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम) सफलतापूर्वक दागी। इससे जहाज रोधी मिसाइलों को संलग्न करने की क्षमता प्रमाणित हुई है। यह परीक्षण ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर में किया गया। मिसाइल ने हवाई लक्ष्यों को रोक दिया और दोनों सीमाओं पर सीधे हिट करते हुए उन्हें पूरी तरह से नष्ट कर दिया। भारतीय नौसेना के नवीनतम निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोत आईएनएस सूरत ने आज अरब सागर में स्थित एक लक्ष्य पर 70 किलोमीटर की अवरोधन सीमा वाली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। हवाई रक्षा के लिए एमआरएसएएम हर मौसम में 360 डिग्री पर काम करने वाली हवाई रक्षा प्रणाली है, जो किसी भी संघर्ष क्षेत्र में विविध तरह के खतरों के खिलाफ संवेदनशील क्षेत्रों की हवाई सुरक्षा करेगी। इस प्रणाली को डीआरडीओ और इजरायली एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। नौसेना के कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि इस परीक्षण के बाद भारतीय नौसेना ने स्वदेशी युद्धपोत क्षमताओं में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक आईएनएस सूरत ने समुद्र में स्थित एक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक

हमला किया है, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह क्षमता स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह उपलब्धि देश के समुद्री हितों की रक्षा के लिए भारतीय नौसेना की अटूट प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति समर्पण का प्रमाण है। एमआरएसएएम का वजन करीब 275 किलोग्राम, लंबाई 4.5 मीटर और व्यास 0.45 मीटर है। इस मिसाइल पर 60 किलोग्राम तक हथियार लोड किए जा सकते हैं। यह मिसाइल दो स्टेज की है, जो लॉन्च होने के बाद कम धुआं छोड़ती है। एमआरएसएएम एक बार लॉन्च होने के बाद 70 किलोमीटर के दायरे में आने वाली किसी भी मिसाइल, लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन और निगरानी विमानों को मार गिराने में पूरी तरह से सक्षम है। यह 2469.6 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से दुश्मनों पर प्रहार और हमला कर सकती है। भारत डायनामिक्स लिमिटेड में निर्मित एमआरएसएएम से नौसेना की 'आत्मनिर्भर भारत'के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई है। भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के लिए पूर्वी थिएटर में अपनी पहली मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल रेजिमेंट की स्थापना की है। यह रेजिमेंट लड़ाकू जेट, यूएवी, सब सोनिक और सुपरसोनिक मिसाइल आदि जैसे दुश्मन के हवाई खतरों से भारत की रक्षा करेगी। मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली बराक-8 मिसाइल प्रणाली (एमआरएसएएम) को भारतीय वायुसेना में शामिल किया जा चुका है। यह आकाश के बाद दूसरा मिसाइल डिफेंस सिस्टम है, जिसे वायु सेना में शामिल किया गया है।

एफआईआईटी जेईई के मालिक के गुरुग्राम, दिल्ली व नोएडा के ठिकानों पर ईडी का छापा

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह एफआईआईटी जेईई कोचिंग सेंटर के मालिक डीके गोयल के सेक्टर-44 स्थित कोचिंग सेंटर के अलावा नोएडा और दिल्ली सहित आठ ठिकानों पर छापेमारी की है।गोयल पर आरोप है कि एफआईआईटी जेईई कोचिंग सेंटर के छात्रों से वसूल किए गए रुपये को निजी फायदे के लिए दूसरी कंपनियों में लगाया गया है। गुरुवार को ईडी की टीमों ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कोचिंग सेंटर के मालिकों और प्रमोटरों से जुड़े गुरुग्राम, नोएडा और दिल्ली सहित आठ ठिकानों पर एक साथ छापा मारा। यूपी और दिल्ली में कई एफआईआर दर्ज होने के बाद यह एक्शन लिया गया है। ईडी की तरफ से छापामारी को लेकर कोई अधिकारिक बयान अभी तक नहीं आया है, लेकिन बताया जा रहा है कि सुबह 6 बजे से ईडी के अधिकारी दस्तावेज खंगालने के साथ पूछताछ कर रहे हैं। फीस के रूप में वसूले गए पैसों का कहां-कहां लगाया गया है इसकी जांच ईडी कर रही है। दरअसल, एफआईआईटी जेईई के जनवरी में अचानक सेंटर बंद हो गए। सेंटर बंद होने से छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया। अभिभावकों का आरोप है कि कोचिंग सेंटर के मालिक और प्रमोटरों ने कोचिंग के नाम पर मोटी रकम वसूली और उस पैसे को अपने फायदे के लिए दूसरी कंपनियों में निवेश कर दिया।

पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश, दिल्ली के पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर जमकर नारेबाजी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश के लोगों में पाकिस्तान के खिलाफ काफी रोष है। दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के बाहर लोगों ने गुरुवार को जमकर नारे बाजी की। दिल्ली के कोने-कोने से लोग यहां पहुंचे थे और प्रदर्शन कर अपना गुस्सा जाहिर किया। इस बीच आतंकवाद विरोधी कार्य मंच और भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया और पाकिस्तान के नाम के प्लेकार्ड को जलाकर अपना विरोध प्रकट किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। महिलाओं के हाथों में पाकिस्तान मुर्दाबाद के पोस्टर भी देखे गए। इस मौके पर दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ हर्षवर्धन, भाजपा के कई विधायक भी मौजूद थे। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि हम प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़े हैं। संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमारी मांग है कि पाकिस्तान को आतंकवाद का समर्थन करने वाला देश घोषित किया जाए। दिल्ली में भाजपा आज भारत के 140 करोड़ लोगों के दिलों में जो भावनाएं हैं, उन्हें व्यक्त कर रही है। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान को बताना चाहते हैं कि अब वह सीमा पार आतंकवाद को जारी नहीं रख सकता। भारत सरकार और हमारी सेना पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देगी।

खसरा-रूबेला के खिलाफ देशव्यापी अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने गुरुवार को शून्य खसरा-रूबेला अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया और इसकी आईईसी सामग्री जारी की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में बताया कि जनवरी से मार्च 2025 तक देश के 322 जिलों में खसरे का और 487 जिलों में रूबेला का भी कोई मामला नहीं आया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह अभियान केवल खसरे और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण अभियान नहीं है, बल्कि यह देश के करोड़ों बच्चों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने का एक तरीका है। उन्होंने निगरानी के महत्व को भी रेखांकित किया और कहा कि एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम को देश में खसरे और रूबेला के प्रत्येक मामले की निगरानी करनी चाहिए और एक भी मामला अनदेखा नहीं रहना चाहिए। नड्डा ने स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों को खसरे और रूबेला के खिलाफ देश में किए गए काम के लिए चैंपियन का पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। इस अवसर पर उन्होंने राज्य मंत्रियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों से सार्वजनिक और प्रेस बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया, जहां सक्रिय जनभागीदारी के माध्यम से लोगों को टीकाकरण अभियान के बारे में जानकारी दी जा सके। उन्होंने राज्यों से खसरा और रूबेला के खिलाफ टीकाकरण के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सभी विधायकों, सांसदों, स्थानीय और पंचायत प्रमुखों की भागीदारी का भी आह्वान किया।

अब आतंकियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया, मिलेगी कल्पना से भी बड़ी सजा : मोदी

भारत हर आतंकवादी की पहचान करेगा, उसे खोजेगा और सजा देगा : पीएम मोदी

एजेंसी

मधुबनी। प्रधानमंत्री नरेंद्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भारत की आत्मा पर हमला बताया और देश की 140 करोड़ आबादी की इच्छाशक्ति के संबल से दहाड़ते हुए आज कहा कि अब आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है और आतंकियों एवं साजिशकर्ताओं को ऐसी सजा मिलेगी जो उनकी कल्पना से भी बड़ी होगी।श्री मोदी ने यहां झंझारपुर के लोहना पंचायत में पंचायती राज स्थापना दिवस पर आयोजित सभा में 13,480 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में कहा, यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है। देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि जिन्होंने यह हमला किया है उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी। अब आतंकियों की बची खुची

जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है। 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाशक्ति अब आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगी।श्री मोदी ने बिहार की धरती से आतंकवाद के खिलाफ भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पूरी दुनिया को एक सशक्त संदेश दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा, भारत हर उस आतंकवादी और उसके संरक्षक को पहचानेगा, ढूंढेगा और सजा देगा, जो देश की शांति और सुरक्षा को चुनौती देता है। भारत आतंकवादियों को धरती के अंतिम कोने तक खदेड़ेगा और न्याय सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगा। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि आतंकवाद से भारत की आत्मा कभी नहीं टूटेगी और आतंकियों को उचित दंड मिलेगा। उन्होंने कहा, मानवता में विश्वास रखने वाला हर व्यक्ति हमारे साथ है। मैं विभिन्न देशों की जनता और नेताओं का आभार व्यक्त करता हूं, जो इस मुश्किल घड़ी में हमारे साथ खड़े हैं। श्री मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने मासूम देशवासियों को जिस बेरहमी से मारा है उससे पूरा देश व्यथित है। कोटि-कोटि देशवासी दुखी हैं। सभी पीड़ित परिवारों के इस दुख में पूरा देश उनके साथ खड़ा है। जिन परिवार के लोगों का अभी इलाज चल रहा है वे जल्द स्वस्थ्य हों इसके लिए भी सरकार हर प्रयास कर रही है।

हिंदूओं को जानबूझकर निशाना बनाना, पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिशः सीडब्ल्यूसी

रात को ही माननीय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था।

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। सीडब्ल्यूसी ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की, जिसमें 26 पर्यटकों की जान गई। बैठक में इस कायरतापूर्ण हमले के खिलाफ शांति और एकजुटता की अपील की गई। सुरक्षा चूकों की जांच और अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई गई। कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में कांग्रेस ने बताया। कांग्रेस कार्य समिति 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त करती है। इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से

अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कांग्रेस कार्य समिति शोक संतृप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है और इस गहन पीड़ा की घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ी है। यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमला, जिसकी साजिश पाकिस्तान में रची गई, हमारे गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना, पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साजिश थी। हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्य समिति शांति की अपील करती है और सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कांग्रेस कार्य समिति स्थानीय पोनी वाले और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहीद हो गए।

अटारी-बाघा बॉर्डर से भारत ने वापस लौटाए पाकिस्तानी नागरिक

एजेंसी

चंडीगढ़। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के विरुद्ध लिए गए फैसलों का असर गुरुवार को अटारी बाघा बॉर्डर पर देखने को मिला। पाकिस्तान की तरफ से वीजा लेकर भारत में भ्रमण के लिए आने वाले किसी भी नागरिक को भारत में प्रवेश नहीं दिया गया। वहीं इधर से जाने वाले 42 पाकिस्तानी नागरिकों को पूछताछ के बाद अटारी सीमा के रास्ते पाकिस्तान भेज दिया गया। दोनों देशों के बॉर्डर पर अटारी सीमा भारत के अधिकार क्षेत्र में आती है, जबकि बाघा सीमा पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में आती है। सामान्य की दिनों की भांति गुरुवार की सुबह करीब 11:00 बजे पाकिस्तान की तरफ से 100 से अधिक यात्री भारत में घूमने के लिए अटारी बघा सीमा पर पहुंचे थे। इन पाकिस्तानी नागरिकों को भारत सरकार के लिए गए फैसले के बारे में

जानकारी नहीं थी। इसके बावजूद भारतीय सैन्य अधिकारियों ने उन्हें नए फैसले से अवगत कराते हुए भारत में प्रवेश देने से इनकार कर दिया पाकिस्तान सरकार की तरफ से अभी इस बारे में कोई फैसला नहीं लिया गया है।

'हम एनडीए के साथ हैं और आगे भी रहेंगे', नीतीश कुमार ने फिर दिया भरोसा

● 'बिहार में राजद और उनके सहयोगियों की सरकार थी तो जनता की भलाई के लिए उन लोगों ने कुछ नहीं किया।'

एजेंसी

मधुबनी । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एक बार फिर भरोसा दिया कि वह अब भाजपा को छोड़कर राजद के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने मधुबनी के झंझारपुर में पंचायती राज दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) 2005 में राजद के खिलाफ ही लड़ी थी और आगे भी मजबूती से लड़ती रहेगी। पंचायती राज दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 13,480 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने कई रेल परियोजनाओं की भी सौगात बिहारवासियों को दी।इस मौके पर

आयोजित रैली को संबोधित करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बीच में गड़बड़ी हो गई थी, लेकिन अब कभी भी महागठबंधन में या राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव और कांग्रेस की टीम के साथ नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी वालों ने बीच में गड़बड़ कर दिया। अब हम लोग कभी उनके (महागठबंधन के) साथ नहीं जा सकते हैं क्योंकि सबने बहुत गड़बड़ किया है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमलों पर दुख जताते हुए नीतीश कुमार ने कहा कि दो दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में कई लोगों की हत्या हुई। यह घटना काफी दुखद और निंदनीय है। उन्होंने शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि पूरा देश आतंक के खिलाफ एकजुट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब बिहार में राजद और उनके सहयोगियों की सरकार थी तो जनता की भलाई के लिए उन लोगों ने कुछ नहीं किया। 2005 के नवंबर-दिसंबर में एनडीए की सरकार बनी।

पहलगाम आतंकी हमला: शुभम द्विवेदी के परिवार से मिले सीएम योगी

कहा- सरकार आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करेगी

एजेंसी

कानपुर । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिजनों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके आवास पर भेंट की। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर आतंकियों को नेस्तनाबूत करेगी। सीएम योगी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी की दो महीने पहले ही शादी हुई थी। सीएम ने इस हमले को क्रूर, कायराना और विभत्स कृत्य करार दिया।उन्होंने कहा कि देश-दुनिया में हर जगह इस घटना की निंदा हो रही है। यह घटना बताती है कि आतंकवाद अब अंतिम सांस ले रहा है। निर्दोष पर्यटकों पर हमला करके बहन-बेटियों

के सिंदूर को उजाड़ा जाए। इसे कोई सभ्य समाज स्वीकार नहीं कर सकता है। खासतौर पर भारत के अंदर यह कतई स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ जो जीरो टॉलरेंस की नीति रही है, वह प्रभावी ढंग से आतंकवाद को नेस्तनाबूत करेगी। इसके ताबूत पर अंतिम कील ठोकने की शुरुआत हो चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन क्षेत्रों का दौरा किया है।

पहलगाम हमले के गुनहगारों की सूचना देने वालों को 20-20 लाख का इनाम

एजेंसी

अनंतनाग । जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम की बैसरन घाटी में 22 अप्रैल को पर्यटकों पर हमला करने वाले तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी किए हैं और सूचना देने वालों के लिए हर आतंकवादी पर 20-20 लाख रुपए के इनाम की घोषणा की है। अनंतनाग पुलिस ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तीन आतंकवादियों के पोस्टर जारी करते हुए कहा है कि आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली भाई उर्फ तल्हा भाई के बारे में जानकारी देने वाले को 20-20 लाख रुपए का इनाम मिलेगा। तीनों को लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का आतंकवादी बताया गया है और सभी तीनों पर 20-20 लाख रुपए का अलग-अलग इनाम रखा गया है।

पुलिस ने आतंकवादियों के बारे में सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखने का आश्वासन भी दिया है। जानकारी देने के लिए पुलिस ने संपर्क नंबर 9596777666 (एसएसपी अनंतनाग) और 9596777669 (पीसी अनंतनाग) जारी किए हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जनता से

अपील की है कि यदि किसी को तीनों आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

बता दें कि पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के एक दिन बाद बुधवार को सुरक्षा बलों ने कुछ संदिग्ध आतंकियों की तस्वीरें और स्केच जारी किए थे। आतंकी हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी और 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। पहलगाम हमले के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना विदेश दौरा बीच में ही छोड़कर भारत लौट आए थे। बुधवार शाम उन्होंने सुरक्षा को लेकर कैबिनेट समिति (सीसीएस) की अध्यक्षता की जिसमें कई बड़े फैसले लिए गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया था कि भारत ने सिंधु जल समझौते को फिलहाल रोकने का निर्णय लिया है। यह कदम भारत-पाकिस्तान संबंधों में बढ़ते तनाव के मद्देनजर उठाया गया है।

सराय काले खां स्टेशन पर पूरा हुआ एफओबी का सिविल निर्माण कार्य, बैरिकेडिंग हटी

एजेंसी

गाजियाबाद। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन को भारतीय रेलवे के हज़रत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से जोड़ने वाले फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का सिविल निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। 280 मीटर लंबे इस फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) पर एनसीआरटीसी ने छह ट्रैवेलेटर लगाए गए हैं, जिनके इंस्टॉलेशन का कार्य भी पूरा कर लिया गया है। यह एफओबी इन दोनों परिवहन साधनों के बीच यात्रियों की सुगम और सहज आवाजाही को सक्षम बनाएगा। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि इस एफओबी के निर्माण के पूरा होने के साथ ही एनसीआरटीसी ने रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली सड़क से बैरिकेडिंग हटाकर पूरी सड़क को जनता के लिए खोल दिया गया है। इसके अलावा, लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एनसीआरटीसी ने इस सड़क पर तारकोल का ब्लैक टॉप लगाकर सड़क को अपग्रेड भी किया है। सराय काले खां का यह इलाका बेहद भीड़भाड़ वाला है और इस सड़क पर यातायात का आवागमन बहुत ज़्यादा रहता है। एनसीआरटीसी की इस पहल से इस सड़क की लाइफ साइकिल बढ़ जाएगी। सराय काले खां नमो भारत स्टेशन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच की दूरी करीब 300 मीटर है। इस दूरी को देखते हुए पैदल यात्रियों के लिए एक फुट ओवरब्रिज की आवश्यकता महसूस की गई ताकि यात्री इन दोनों परिवहन साधनों के बीच सुगमता से यात्रा कर सकें।

एनसीएएचपी के सहयोग से दस संबद्ध एवं स्वास्थ्य सेवा व्यवसायों के लिए नया योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसाय आयोग (एनसीएएचपी) के सहयोग से दस संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायों के लिए योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। निर्माण भवन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने इन पाठ्यक्रमों को जारी किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव हेकाली झिमोमी और एनसीएएचपी की अध्यक्ष डॉ. यज्ञ शुक्ला भी उपस्थित थीं। इन पाठ्यक्रमों में फिजियोथेरेपी, एप्लाइड साइकोलॉजी और व्यावहारिक स्वास्थ्य, ऑप्टोमेट्री, पोषण और आहार विज्ञान, डायलिसिस थेरेपी तकनीक और डायलिसिस थेरेपी, रेडियोथेरेपी तकनीक, मेडिकल रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक, एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थियेटर तकनीक, स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन और फिजिशियन एसोसिएट्स सहित व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हैं। इस रणनीतिक पहल का उद्देश्य देश भर में संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की शिक्षा और प्रशिक्षण में एकरूपता और उत्कृष्टता सुनिश्चित करना है। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने कहा कि पाठ्यक्रम का व्यापक संशोधन और मानकीकरण शैक्षिक सामग्री और वितरण में स्थिरता स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को सुप्रीम कोर्ट ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पहलगाम हमले में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दो मिनट का मौन रखा गया। ठीक दो बजे सुप्रीम कोर्ट में सायरन बजा और उसके बाद सुप्रीम कोर्ट के लॉन में वकीलों ने मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। चीफ जस्टिस के कोर्ट रूम नंबर एक में भी आज चीफ जस्टिस और कोर्ट रूम में मौजूद वकीलों ने खड़े होकर मौन श्रद्धांजलि दी। 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में आतंकी हमले में पर्यटकों समेत 28 लोगों की मौत हो गयी।

भारत ने पाकिस्तान सरकार का आधिकारिक एक्स अकाउंट किया ब्लॉक

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान सरकार के आधिकारिक एक्स हैंडल को ब्लॉक कर दिया है। इस हमले में 27 लोगों की मौत हुई और कई अन्य घायल हो गए। भारत ने इस हमले को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। इस हमले को पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट द्वारा अंजाम दिए जाने की आशंका है, जिसके बाद भारत ने जवाबी कार्रवाइयों की शुरुआत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हमले को ÷निर्दोष नागरिकों पर कायराना कृत्य करार देते हुए सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस दो घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक, आर्थिक और सैन्य संबंधों को लक्षित करने वाली कई कार्रवाइयों की घोषणा की। भारत ने नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात रक्षा, सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को अवांछित व्यक्ति (पर्सोना नॉन ग्राटा) घोषित कर दिया है। इन अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। साथ ही, भारत ने इस्लामाबाद में अपने उच्चायोग से रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को वापस बुलाने का फैसला किया है।

पहलगाम हमला: पाकिस्तान से रिश्ते लगभग समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का फैसला लिया है। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, पाकिस्तान के नागरिकों के लिए सार्क वीजा जारी करने पर रोक लगाने और अटारी-वाघा सीमा को बंद करने का निर्णय लिया है। साथ ही पाकिस्तान के उच्चायोग को सीमित करने का भी निर्णय लिया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। हमले में 25 भारतीयों और एक नेपाली नागरिक की मौत हुई थी। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की आज शाम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विदेश सचिव ने

कहा कि इस हमले के बाद, विश्वभर से कई सरकारों ने भारत के प्रति समर्थन और एकजुटता व्यक्त की है, जो आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की भावना दर्शाती है। बैठक में इस आतंकी हमले के पाकिस्तानी संबंधों की जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिस्री ने पत्रकार वार्ता में सीसीएस के निर्णयों की जानकारी दी। इसके अनुसार, सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाएगा, जब तक पाकिस्तान क्रॉस-बॉर्डर आतंकवाद का समर्थन छोड़ने की विश्वसनीय और स्थायी प्रतिबद्धता नहीं करता। अटारी चेक पोस्ट को तुरंत बंद किया जाएगा, जो लोग वैध अनुमोदनों के साथ पार कर चुके हैं, उन्हें 01 मई 2025 से पहले लौटने का अवसर दिया जाएगा। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत आने की अनुमति नहीं होगी। पहले जारी किए गए वीजा रद्द कर दिए गए हैं और वर्तमान में भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ना होगा। पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा, नौसेना और वायु सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। इन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। भारत भी इस्लामाबाद में अपने रक्षा/नौसेना/वायु सलाहकारों को वापस बुलाएगा। इसके अलावा, उच्चायोगों की कुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 01 मई 2025 तक प्रभावी होगा। सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी बलों को उच्च सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। यह सुनिश्चित किया गया कि हमले के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा और उनके प्रायोजकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। भारत आतंकवादियों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को जारी रखेगा।

पहलगाम में आतंकी घटना की मुस्लिम संगठनों ने की कठोर शब्दों में निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की चौतरफा निंदा की जा रही है। देश के बड़े मुस्लिम संगठनों ने भी इस जघन्य अपराध की निंदा करते हुए इस घटना में शामिल आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही इन संगठनों ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त की है और देश मे शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की बोर्ड कड़ी निंदा करता है और इस दुःखद घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और मांग की है कि भारत सरकार जल्द से जल्द इस घटना की जांच कराए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। मौलाना ने दुर्घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी हार्दिक सहानुभूति आपके साथ है। इसके साथ ही मौलाना ने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की मजबूत मौजूदगी और सीमाओं पर सेना की तैनाती और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी ताकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जा सके। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि हम इस दुखद घटना में मारे गए।

विश्व पुस्तक एवं कॉपीराइट दिवस पर एनसीपीयूएल के तत्वावधान में पुस्तक सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। पुस्तकों का कॉपीराइट से बहुत गहरा संबंध है। शायद यही कारण है कि दोनों का विश्व दिवस हर वर्ष एक ही दिन अर्थात 23 अप्रैल को संयुक्त रूप से मनाया जाता है। ऐसे में राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) के तत्वावधान में राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित एक दिवसीय पुस्तक सम्मेलन काफी सफल और समग्र कहा जा सकता है, जिसमें कॉपीराइट की चुनौतियों से लेकर नई पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने जैसे विषयों को शामिल किया गया। इसके साथ ही कई पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। पुस्तक सम्मेलन के अंतर्गत तीन सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र का शीर्षक 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट की चुनौतिया' था जिसकी अध्यक्षता जामिया हमदर्द के कुलपति प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने की। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. शम्स इकबाल ने परिचयात्मक एवं स्वागत भाषण देते हुए कहा कि एक पुस्तक पाठक, लेखक और प्रकाशक की त्रिमूर्ति से बनती है।

किसी पुस्तक से बौद्धिक विमर्श स्थापित किया जा सकता है। केवल पुस्तकों के माध्यम से ही हम सभ्य समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा है कि लेखन और सृजन का उदाहरण बच्चे का है, जो उसके लेखक की संपत्ति है। किसी की पुस्तक या रचना को अपने नाम से कृत्रिम बुद्धि (एआई) या किसी अन्य माध्यम से प्रकाशित करना किसी के बच्चे का अपहरण करने जैसा है। प्रो. मोहम्मद अफशार आलम ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए कहा कि कॉपीराइट आज के युग का एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है और सरकार के साथ-साथ कई शैक्षणिक संस्थान भी इसके प्रति संवेदनशील हो गए हैं और इस संबंध में कदम भी उठा रहे हैं। राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद का यह कार्यक्रम इस संबंध में एक यादगार कदम है। वाणी प्रकाश ग्रुप, नई दिल्ली की सीईओ सुश्री अदिति माहेश्वरी ने कहा कि एआई के युग में कॉपीराइट के मुद्दे बहुत बढ़ गए हैं। वर्तमान युग में, जब एआई अपने चरम पर है, एक नए संशोधित कॉपीराइट कानून की आवश्यकता है। अपने भाषण में प्रख्यात बौद्धिक संपदा अधिकारों की वकील डाहलिया सेन ओबेरॉय ने कॉपीराइट के विभिन्न पहलुओं तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में इसकी चुनौतियों पर सुसंगत एवं विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि कॉपीराइट का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानूनी एवं न्यायिक कार्रवाई की जा सकती है, क्योंकि कॉपीराइट का उल्लंघन वास्तव में किसी की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है तथा किसी दूसरे की संपत्ति हड़पने जैसा है। सत्र का संचालन डॉ. शादाब शमीम ने किया। दूसरे सत्र में 'प्रेमचंद= मोतालए की नई जेहतें' नामक पुस्तक का विमोचन किया गया।

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं प्रवेश कर सकेंगे बीएस छह से कम मानक वाले वाणिज्यिक वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एक नवंबर से बीएस छह से कम मानक वाले ट्रकों एवं वाणिज्यिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक और डीजल की सिर्फ बीएस-6 बसें, ट्रकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-VI, सीएनजी, एलएनजी और आईएलवी के अलावा सभी परिवहन, वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पंजीकृत बीएस 6 मानक से कम वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। इस निर्देश को दिल्ली से सटे सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है। सीएक्यूएम द्वारा दिल्ली से सट सभी राज्यों को जारी अपने निर्देश में कहा कि एक जुलाई 2025 से 10 साल से ऊपर वाली डीजल गाड़ियां और 15 साल से ऊपर वाली गाड़ियों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित एएनपीआर

कैमरों या अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से ऐसी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में ट्रकों के 126 सीमा प्रवेश बिंदुओं पर सख्ती से इस नियम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर स्थित एनएचएआई के 52 टोल प्लाजा को वाहन डेटाबेस से जुड़े एएनपीआर कैमरे प्रदान किए गए हैं, जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में वाहनों की पहचान करने में मदद करेंगे। बीओएल वाहनों की पहचान ' वैध पंजीकरण, फिटनेस, पीयूसी, परमिट और बीमा से किया जाएगा। यह निर्देश सर्दियों में दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआईआईएपी) के तहत निर्देशों की समय समय पर समीक्षा भी की जाती है।

केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड की 38वीं बैठक संपन्न, ऐतिहासिक धरोहर स्थलों पर पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने पर दिया गया जोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत मंडपम में केंद्रीय पुरातत्व सलाहकार बोर्ड (सीएबीए) की 38वीं बैठक सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस बैठक में भारत के समृद्ध पुरातात्विक विरासत स्थलों की सुरक्षा और संवर्धन की दिशा में सामूहिक प्रयास और पर्यटकों के अनुभवों को बढ़ाने पर जोर दिया गया। इस मौके पर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकास भी विरासत भी' के आदर्श वाक्य को दोहराते हुए कहा कि विरासत स्थलों पर आगंतुकों और पर्यटकों के अनुभव को बढ़ाने की दिशा में काम करना चाहिए। उन्होंने

देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। हाल ही में उत्खनन और अन्वेषण कार्यों की बढ़ती संख्या की सराहना करते हुए मंत्री ने उत्खनन और अन्वेषण परियोजनाओं को अधिक व्यापक, समावेशी और दूरगामी बनाने पर बल दिया। इसके अलावा, उन्होंने एएसआई के अंडरवाटर पुरातत्व विंग (यूएडब्ल्यू) के पुनरुद्धार की रूपरेखा तैयार की, जिसके तहत द्वारका के पानी में अन्वेषण चल रहा है। उन्होंने भारत में पुरावशेषों की सफल वापसी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश की सांस्कृतिक पहचान को बहाल करने में एक बड़ी उपलब्धि है और वैश्विक सांस्कृतिक विरासत के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने पुरातत्व और विरासत संरक्षण के क्षेत्र में हितधारकों के बीच नियमित संवाद और सहयोगी योजना सुनिश्चित करने के लिए सीएबीए की लगातार वार्षिक बैठकों की आवश्यकता पर भी जोर दियाइस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय के सचिव विवेक अग्रवाल ने भारत की विविध विरासत और स्मारकों के संरक्षण में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की भूमिका पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दो दिवसीय असम दौरा स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का प्रस्तावित दो दिवसीय असम दौरा स्थगित हो गया है। यह जानकारी राज्यपाल सचिवालय ने दी है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल से असम के दौरे पर आना था। उन्हें शुक्रवार को यहां गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में शामिल होना था। राष्ट्रपति का कार्यक्रम स्थगित होने के बावजूद दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किया जाएगा। बुधवार को राज्यपाल सचिवालय ने बताया कि राष्ट्रपति भवन से एक संदेश मिला है, जिसमें कहा गया है कि जम्मू-कश्मीर में हुए हमले के कारण राष्ट्रपति का दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति को 24 अप्रैल की शाम दो सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए गुवाहाटी आना था। शुक्रवार को राज्य सरकार की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को प्रसिद्ध नृत्यांगना सोनल मानसिंह को श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार सौंपने का कार्यक्रम था। इसके अलावा उसी दिन शुक्रवार शाम को गुवाहाटी विश्वविद्यालय के 32वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था।

राष्ट्र हित में एक देश एक चुनाव: शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास की क्रमिक निरंतरता सुनिश्चित करने, चुनावी व्यय को घटाने और देश के संसाधनों का राष्ट्रहित में उपयोग बढ़ाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। शिवराज सिंह छात्र नेताओं द्वारा आरंभ किए गए एक नवीन मंच स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन के तत्वावधान में डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय छात्र नेता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के 31 राज्यों के छात्र नेता दिल्ली में एकत्र हुए हैं और सभी ने संकल्प लिया है कि बार-बार चुनाव होने से देश का विकास बाधित होता है, प्रगति बाधित होती है और जनकल्याण के कार्य प्रभावित होते हैं। इससे देश के धन और संसाधनों का दुरुपयोग होता है। इसलिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव हर पांच साल में एक बार एक साथ होने चाहिए ताकि पांच साल के लिए चुनी गई सरकारें देश और राज्यों की प्रगति और विकास के लिए एकजुट होकर काम कर सकें। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि

पांचों साल, 12 महीने चलने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में बाधा हैं। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव खत्म नहीं हुए कि उसके चार माह बाद देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए। लोकसभा चुनाव खत्म हुए नहीं कि हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव शुरू हो गए। ये चुनाव हुए नहीं कि दिल्ली का दंगल शुरू हो गया और अब सभी राजनैतिक दल व नेता बिहार और पश्चिम बंगाल के चुनाव की तैयारियों में जुट गए हैं। इन बार-बार होने वाले चुनावों में बड़ी मात्रा में धन खर्च होता है। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित युवाओं से 'एक राष्ट्र - एक चुनाव' के समर्थन में आवाज बुलंद करने का आह्वान किया।

मेयर ने दक्षिणी महरौली में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर महेश कुमार खीची ने दक्षिणी महरौली विधानसभा में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इसका हर वर्ग को लाभ मिलेगा।महेश कुमार खीची ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि महरौली की जनता को अच्छी सुविधा देने के लिए पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया गया है। इससे जनता को फायदा होगा। जनता इसमें कम खर्च में सारी सुविधा का लाभ उठा सकती है। खीची ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि देश के लोगों तक बाबा साहेब के विचार पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक के खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनको यहां कम दाम में अच्छा इलाज मिल सकेगा। खीची ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए आआपा के पार्षदों को तोड़ने का काम कर रही है। इस अवसर पर महरौली के चेयरमैन किशन जागड़, निगम पार्षद रेखा महेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली महापौर और उप महापौर पद के उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया का आखिरी दिन था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है।

विदेश मंत्रालय ने आधीरात पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद को तलब किया, 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के पाकिस्तान के खिलाफ दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा के बादआधीरात विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक साद अहमद वार्राइच को तलब किया। भारत सरकार ने साद को औपचारिक 'पर्सोना नॉन ग्राटा' नोट सौंपा है। पर्सोना नॉन ग्राटा का सीधा मतलब यह होता है कि किसी राजनयिक या विदेशी व्यक्ति को किसी विशेष देश में प्रवेश या रहने से मना करना। भारत ने पाकिस्तान के सैन्य राजनयिकों के लिए ये नोट थमाया है। इसके बाद उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ना होगा। पहलगाम हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की मौत के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की आपात बैठक हुई। यह करीब दो घंटे तक चली। इस बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और विदेशमंत्री एस. जयशंकर समेत अन्य वरिष्ठ मंत्री मौजूद रहे। इस बैठक में आतंकवादी हमले को गंभीरता से लेते हुए कई अहम निर्णय लिए गए। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बैठक में लिए गए फैसलों की मीडिया को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सीसीएस ने फैसला किया है कि नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग में तैनात डिफेंस, नेवल और एयर एडवाइजर्स को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। उन्हें एक सप्ताह के अंदर भारत छोड़ने का आदेश दिया गया है। इसके साथ ही इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भारत अपने सैन्य सलाहकारों को भी वापस बुलाएगा। सरकार ने अटारी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट को भी तत्काल प्रभाव से बंद करने का फैसला किया है। जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ पहले ही इस मार्ग से भारत में प्रवेश कर चुके हैं, उन्हें पहली मई 2025 तक उसी मार्ग से लौटने की अनुमति दी गई है। भारत ने पाकिस्तान के साथ की गई सिंधु जल संधि को भी तत्काल प्रभाव से अस्थायी रूप से निलंबित करने का निर्णय लिया है। भारत ने यह भी घोषणा की कि पाकिस्तान के नागरिकों को अब सार्क वीजा एक्सेम्शन स्कीम (एसवीईएस) के तहत भारत यात्रा की अनुमति नहीं दी जाएगी। पहले से जारी सभी ऐसे वीजा अब अमान्य माने जाएंगे और इस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर देश छोड़ने का आदेश दिया गया है।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर रॉबर्ट वाड्रा के बयान को भाजपा ने बताया शर्मनाक

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा के बयान पर सियासी घमासान मच गया है। रॉबर्ट वाड्रा ने घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। भाजपा ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स प्लेटफार्म पर कहा कि अगर कोई इस तरह के इस्लामिक जिहादी हमले को निराधार तर्कों के साथ उचित ठहराने की कोशिश करता है और दावा करता है कि यह किसी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है तो यह शर्मनाक है। इस तरह से कट्टरपंथी जिहाद और आतंकवाद को बचाने की कोशिश

करने से बड़ा दुर्भाग्य कुछ और नहीं हो सकता। ऐसे समय में जब इस तरह के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और एक स्वर में उनकी पहचान की जानी चाहिए, यह निराशाजनक है कि कुछ लोग अभी भी अतार्किक बातों के साथ पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक जिहाद का बचाव कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, कांग्रेस पार्टी और रॉबर्ट वाड्रा इस कहानी में सबसे आगे दिखाई देते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सोनिया गांधी, राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस पार्टी, रॉबर्ट वाड्रा द्वारा किया गया सबसे शर्मनाक, नृशंस बयान है, जो एक तरह से पाकिस्तानी आतंकवादियों का बचाव करने के लिए है। यह बयान इस्लामिक जिहाद के इस अपराध को छिपाने के लिए, उन्हें क्लीन चिट देने और हिंदुओं को दोषी ठहराने के लिए है। पुलवामा हमले के बाद, उन्होंने सुरक्षा बलों को दोषी ठहराया।

संपादक की कलम से

चिनगारी का खेल बुरा होता है

हाल ही में पहलगाम आतंकी हमले में विदेशी नागरिकों समेत 26 की मौत हो गई, और मरने वालों में अधिकांश पुरुष हैं। वास्तव में यह बहुत ही दुखद व अति निंदनीय घटना है।यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब करीब सवा दो महीने बाद अमरनाथ यात्रा होनी है।कहना गलत नहीं होगा कि इससे आतंक का घिनौना चेहरा दुनिया के सामने आया है। यह 2019 के पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक व बड़ा हमला है।हमले के बाद क्षेत्र में ऑपरेशन तेजी से चलाया जा रहा है और पर्यटकों को कश्मीर से जल्द से जल्द निकालने की कोशिश की जा रही है। सहायता के लिए इमरजेंसी नंबर भी जारी किए गए हैं।कितनी बड़ी बात है कि आतंकियों ने टूरिस्ट्स को निशाना बनाया और गोलीबारी की। आतंकी घटना के बाद गृहमंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंचे, और सऊदी दौरा बीच में ही छोड़कर स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी दिल्ली पहुंच चुके हैं और दिल्ली पहुंचते ही उन्होंने एयरपोर्ट पर ही पहलगाम टेरर अटैक पर बैठक की है। बताया जा रहा है कि कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी की बैठक भी बुलाई गई है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह ने आईबी चीफ, जम्मू-कश्मीर के डीजी और सेना व सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग भी की और पीएम मोदी इस मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उपलब्ध रहे। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भी इस घटना को लेकर काफी गंभीर हैं।बताया जा रहा है कि कुल चार आतंकियों ने इस आतंकी वारदात को अंजाम दिया, जिसमें से तीन पाकिस्तानी और एक लोकल कश्मीरी हैं। मीडिया में आई रिपोर्ट्स के मुताबिक जब दोपहर को यह वारदात हुई तब सैलानी वहां घुड़सवारी कर रहे थे।तभी आतंकी वहां पहुंचे और उन्होंने पंजाबी में टूरिस्ट से उनका मजहब पूछा और पहचान स्थापित होने के बाद लोगों को मौत के घाट उतारा गया। दरअसल,आतंकी हमले के बाद सामने आए वीडियो में इस बात की पुष्टि हुई है कि हथियारबंद हमलावरों ने नाम पूछकर गोली मारी।जानकारी के अनुसार इस दौरान आतंकियों द्वारा करीब 50 राउड फायरिंग की गई। गौरतलब है कि आतंकी सेना और पुलिस जैसी वर्दी में थे और सभी के पास एके-47 और दूसरे हथियार थे।बहरहाल, यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि इसे कश्मीर घाटी में जिहादी आतंक का अत्यंत घिनौना बर्बर चेहरा ही कहा जा सकता है। वास्तव में,आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके(नाम व मजहब पूछकर) गोलियां बरसाईं, उससे तो यही पता चलता है कि वे केवल कश्मीर घाटी में खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। आतंकी धर्म पूछकर गोली मार रहे हैं और यह बात कही जाती है कि आतंकवाद और आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता आतंकियों ने ऐसे समय में पर्यटकों को निशाना बनाया। , जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। वास्तव में यह हमला मानव हीनता की पराकाष्ठा ही कहा जा सकता है, क्यों कि आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों को पर्यटन के रूप में किसी न किसी रूप में सहारा देने कश्मीर गये थे। निश्चित ही इस आतंकी हमले का असर वहां के पर्यटन व दैनिक जीवन पर पड़ेगा, क्यों कि हमले के बाद घाटी में डर व खौफ का माहौल पैदा हो गया है। कहना गलत नहीं होगा कि हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश की बड़ी लहर है। वास्तव में, अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। कहना गलत नहीं होगा कि आतंकवाद और आतंकियों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य हो गया है। जिन आतंकियों ने हमले को अंजाम दिया है, उनमें से तीन पाकिस्तानी बताये जा रहे हैं, ऐसे में आज जरूरत इस बात की है कि भारत पाकिस्तान को इस हमले का मुंहतोड़ व करारा जवाब दे। आज पाकिस्तान आर्थिक रूप से बदहाली झेल रहा है और उस पर बहुत पहले से आतंकवाद और आतंकियों का ठप्पा लग चुका है। पाकिस्तान की यह आदत रही है कि वह भारत के खिलाफ छद्म युद्ध का खेल खेलता रहता है। एक तरफ तो वह भारत से शांति, सौहार्द और भाईचारे की बात करता नजर आता है तो दूसरी तरफ आतंकवाद का घिनौना खेल खेलता रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि कुछ समय पहले ही पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानियों के पहले सालाना सम्मेलन में पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने भारत, हिंदू धर्म, दो-राष्ट्र सिद्धांत, कश्मीर और गाजा जैसे मामलों पर बयान दिए थे और मुनीर के ये बयान न केवल विवादित थे, बल्कि विभाजनकारी और नफरत फैलाने वाले भी थे। गौरतलब है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने कुछ समय पहले ही कश्मीर मुद्दे को हवा देते हुए इसे अपने देश की गले की नस बताया था और यह बात कही थी कि इस्लामाबाद इसे नहीं भूलेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल यानी कि फरवरी 2024 में भी जनरल मुनीर ने सेना की एक बैठक को संबोधित करते हुए यह कहा था कि भारत द्वारा अंतरराष्ट्रीय कानूनों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है और उसका असली चेहरा दुनिया के सामने आना चाहिए।पाठकों को यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि मई 2024 में भी भारत को अपना कट्टर-प्रतिद्वंद्वी बताते हुए, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद असीम मुनीर ने कश्मीर को इस्लामाबाद के नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखने का वादा किया था। कहना गलत नहीं होगा कि कट्टरपंथियों को जनरल मुनीर की बातों से कहीं न कहीं ताकत मिली होगी।

सच तो यह है कि जनरल मुनीर के बयानों से आतंकियों का दुस्साहस

आखिर क्यों हुआ पहलगाम पर आतंकी हमला

मनोज कुमार

एक बार फिर जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने के सरकारी दावों को पलीता लगाते हुए पाकिस्तान समर्थित चरमपंथी आतंकियों ने 28 बेगुनाह पर्यटकों की हत्या को अंजाम देकर समूचे देश को झकझोर दिया है। लंबे समय बाद जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला हुआ है, 28 से ज्यादा पर्यटकों की मौत की आशंका है। इस हमले को तीन आतंकियों ने अंजाम दिया है जिनके तार टीआरपीएफ से जुड़े हुए है। इस संगठन को लश्कर का ही प्रॉक्सी बताया जाता है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक दहशतगर्दों ने 50 राउंड फायरिंग की थी, कुछ रिपोर्ट्स में यहां तक दावा हुआ है कि लोगों से उनका मजहब पूछकर मारा गया। जाहिर है सदियां बदली,तारीखें बदली,लेकिन इक्कीसवीं सदी में भी कुछ जनूनी,चरमपंथी बर्बर मानसिकता नहीं बदली जो कभी हमास कभी तालिबान तो कभी लश्कर ए तैयबा का मुखौटा लगा कर बेगुनाहों का मजहब पूछ कर खून की होली खेलते हैं। जरूरत इस बर्बर मानसिकता के इलाज की है। आपको बता दें कि आतंकियों ने पहलगाम जैसे टूरिस्ट स्पॉट को ही हमले के लिए क्यों चुना इसके पीछे एक बड़ी वजह आने वाले दिनों में शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालुओं में दहशत फैला कर यात्रा में बाधा उत्पन्न करना है। दूसरी वजह अमेरिकी उपराष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान इस तरह की खूनी वारदात कर कश्मीर के मुद्दे को विश्वमंच पर जिंदा रखने की पाकिस्तान की साजिश है। जानकार बताते हैं कि जम्मू-कश्मीर का पहलगाम इलाका जंगलों से घिरा हुआ है, यह काफी ऊंचाई पर स्थित है। अब वैसे तो पूरे जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों की भारी तैनाती दिखती है, लेकिन पहलगाम एक ऐसी जगह है जहां दूसरे क्षेत्रों की तुलना में कम सिक्योरिटी रहती है। इससे पहले पहलगाम में क्योंकि कभी ऐसा हमला भी नहीं हुआ, ऐसे में ज्यादा फोर्स नहीं देखी गई। पहलगाम आए पर्यटक खुद बता रहे हैं कि जब हमला हुआ, कोई फोर्स उस समय वहां नहीं थी, लोग ही एक दूसरे की भागने में मदद कर रहे थे।

जाहिर है कि सरकार कुछ भी दावा करे लेकिन सुरक्षा में भारी कोताही और सजगता में चूक ही इस आतंकी हमले के पीछे एक बड़ी वजह बनी है। दरअसल लंबे समय से आतंकवाद पर नियंत्रण के बाद कहीं न कहीं सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता में थोड़ी ढील हुई और आतंकी इसी का फायदा उठाकर हिन्दू पर्यटकों के साथ खून की होली खेलने में कामयाब हो गए। कई रिपोर्ट्स बता रही हैं कि इस आतंकी हमले के एक घंटे बाद सुरक्षाबल वहां आने शुरू हुए, इलाके को कंट्रोल में लिया गया। लेकिन आतंकियों को इस पूरे इलाके की जानकारी थी, उन्हें भी पता था कि यहां दूसरे क्षेत्रों की तुलना में सुरक्षा कम है। पहलगाम के जिस इलाके में हमला हुआ है, वहां पर वाहन भी नहीं जाते हैं, पर्यटक खच्चर के जरिए ही वहां तक पहुंचते हैं, इसे ट्रैक वाला इलाका माना जाता है। ये सारी जानकारी भी इन दहशतगर्दों को पहले से थी। माना जा रहा है कि इसी वजह से टूरिस्ट सीजन में पहलगाम को निशाना बनाया गया। वहीं यह इलाका क्योंकि जंगलों से घिरा हुआ है, ऐसे में आतंकी वहां से आए और वहीं से भाग भी गए। अभी के लिए पूरे इलाके में बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन चल रहा है, एनआईए भी वहां पहुंच चुकी है।

पहलगाम को निशाना बनाने का एक बड़ा कारण यह भी है कि अमरनाथ यात्रा के रूट में यह क्षेत्र पड़ता है। अमरनाथ जाने के दो रास्ते रहते हैं, एक रास्ता पहलगाम से होते हुए जाता है।

ऐसे में आतंकी हमला कर ना सिर्फ पर्यटकों के मन में डर पैदा करने की कोशिश हुई है बल्कि सरकार को भी सीधी चुनौती दे दी गई है। समझने वाली बात यह भी है कि जम्मू-कश्मीर की सबसे ज्यादा आय पर्यटन के जरिए होती है, जितने अधिक टूरिस्ट घाटी में आते हैं, उतना ही जम्मू-कश्मीर का विकास भी होता है।

लेकिन कश्मीरियों और कश्मीर का विकास इन आतंकियों की सबसे बड़ी हार है, ऐसे में उसे खत्म करने के लिए ऐसे कायराना हमले पहले भी किए जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों पर हुआ ये अब तक का सबसे बड़ा हमला है। इससे पहले भी घाटी में टूरिस्ट्स को निशाना बनाकर भय का माहौल बनाने की कोशिश हुई है। हमले के बाद फरार हुए आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बलों ने भी बड़ा अभियान छेड़ दिया है। कश्मीर में यह हमला उस समय हुआ, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत दौरे पर आए हैं। साल 2000 से अब तक जम्मू-कश्मीर में आतंकी कई बार पर्यटकों, श्रद्धालुओं और स्थानीय को अपना निशाना बना चुके हैं। आतंकवादियों ने 21 मार्च की रात को अनंतनाग जिले के छत्तीसिंहपोरा गांव में अल्पसंख्यक सिख समुदाय को निशाना बनाया, जिसमें 36 लोग मारे गए।

अगस्त 2000 में नुन्वान बेस कैंप पर हुए आतंकी हमले में दो दर्जन अमरनाथ तीर्थयात्रियों सहित 32 लोग मारे गए। जुलाई 2001 में 13 लोग मारे गए। अनंतनाग के शेषनाग बेस कैंप पर हुए इस आतंकी हमले में अमरनाथ यात्रियों को फिर से निशाना बनाया गया, जिसमें 13 लोग मारे गए। एक अक्टूबर 2001 को श्रीनगर में जम्मू-कश्मीर राज्य विधानमंडल परिसर पर आत्मघाती (फिदायीन) आतंकी हमला हुआ, जिसमें 36 लोग मारे गए। 2002 में चंदनवाड़ी बेस कैंप पर आतंकी हमला हुआ और 11 अमरनाथ यात्री मारे गए। 23 नवंबर, 2002 को जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दक्षिण कश्मीर के लोअर मुंडा में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) विस्फोट में नौ सुरक्षा बल कर्मियों, तीन महिलाओं और दो बच्चों सहित उन्नीस लोगों की जान चली गई। 23 मार्च 2003 को आतंकवादियों ने पुलवामा जिले के नंदी मार्ग गांव में 11 महिलाओं और दो बच्चों सहित कश्मीरी पंडितों की हत्या कर दी। 13 जून को पुलवामा में एक सरकारी स्कूल के सामने भीड़भाड़ वाले बाजार में विस्फोटकों से लदी एक कार में विस्फोट होने से दो स्कूली बच्चों और तीन सीआरपीएफ अधिकारियों सहित तेरह नागरिक मारे गए और 100 से अधिक लोग घायल हो गए। 12 जून 2006 को कुलगाम में नौ नेपाली और बिहारी मजदूर मारे गए। 10 जुलाई 2017 को कुलगाम में अमरनाथ यात्रियों की बस पर हमला हुआ ,जिसमें 8 की मौत हो गई थी।

बहरहाल इस बेहद बर्बरता व कायरता भरे आतंकी हमले में जिस तरह आंतकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछा मजहबी आयत बोलने के लिए कहा और नहीं बोलने पर गोलियों से भून दिया यह समूचे विश्व में कथित शांति का पैगाम देने वाले मजहब पर भी गहरा बदनुमा दाग लगाता है। जरूरत इस बात की है कि ऐसे बर्बर क्रूर शैतानों को जल्द से जल्द उनके कृत्य का सबक सिखाया जाए और सरकार ऐसा सबक सिखाए कि आतंकियों की सात पुश्तें भी भविष्य में ऐसी घिनौनी अमानवीय हरकत को दोहराने की हिम्मत न कर सके। जरूरत इस बात की भी है कि दुनिया भर का इस्लामी नेतृत्व आतंकियों की इस बेहद शर्मनाक बर्बर और अमानवीयता भरी क्रूरता की खुले मंच पर निंदा करे। (विभूति फीचर्स)

धरती के स्वर्ग में नारकीय तांडव

राकेश अचल

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण नरसंहार की खबर सुनकर सारी रात नींद नहीं आयी। धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले इस भूखंड को खंड-खंड किये जाने के छह साल बाद हुए इस आंतकी कुकृत्य में दो दर्जन से अधिक उन निरीह युवाओं की जान चली गयी जो अपना घर-संसार बसाने से पहले अपने साथ कुछ सुनहरी यादें समेटने यहां आये थे। इस नराधम कार्रवाई से देश ही नहीं पूरी दुनिया स्तब्ध है। इस हादसे की निंदा करने के लिए भी शब्द कम पड़ रहे हैं। पूरी घाटी आने वाले काले दिनों के खौफ से जार-जार हो उठी है।

भारत का ये अभिन्न अंग शुरू से ही गैरकांग्रेसी राजनीति का केंद्र रहा है । आजादी के ठीक पहले गठित राष्ट्रिय स्वयं सेवक संघ और बाद में जनसंघ तथा भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 को लेकर पूरे 72 साल राजनीति की और 2019 में इस प्रावधान को हटाकर ही चैन लिया। इस प्रावधान को हटाने के साथ ही घाटी को आतांकवाद से निजात दिलाने के लिए सूबे को तीन भागों में विभाजित किया ,पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक की ,लेकिन आतंकवाद का खत्मा नहीं हुआ। पहलगाम का नरसंहार एक दुःस्वप्न की तरह हमारे सामने है। पहलगाम आतंकी हमले में कुल 26 लोग मारे गए, जिसमें दो विदेशी और दो स्थानीय शामिल है। मृतकों में भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल शहीद हो गए। हाल ही में शादी के बाद वे हनीमून पर पत्नी संग पहलगाम गए थे. हमले में उनकी पत्नी सुरक्षित बचीं। यह हमला पहलगाम के बैसरन घाटी में हुआ, जहां अक्सर पर्यटक आते हैं. इस इलाके में केवल पैदल या घोड़ों से ही पहुंचा जा सकता है. लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट '(टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है. इस अकल्पनीय हत्याकांड के लिए कौन जिम्मेदार है और कौन नहीं इसकी मीमांसा बाद में हो जाएगी ,लेकिन अभी तो ये तय करना है कि क्या घाटी से 370 हटाने की वजह से ये वारदात हुई है या देश में अल्पसंख्यकों के साथ वक्फ बोर्ड कानून के जरिये उनकी भावनाओं से छेड़छाड़ की कोशिश इसकी वजह है ?इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि इस समय देश सबसे बड़े संक्रमण काल से गुजर रहा है । देश को हिन्दू राष्ट्र बनाने की उधेड़बुन ने देश को हर तरफ से साम्प्रदायिकता की आग में झोंक दिया है। हिन्दू -मुसलमान अकेला हो तो आप सम्हाल भी लें किन्तु अब तो हिन्दूहै बनाम दलित,हिन्दू बनाम जैन ,हिन्दू बनाम हिन्दू ,हिन्दू बनाम आदिवासी यानि हिन्दू बनाम सब कुछ चल रहा है और हमारे भायविधाता न जम्मू-कश्मीर सम्हाल पा रहे हैं और न बंगाल। मणिपुर वे पहले ही जला चुके हैं। अब कश्मीर घाटी भी एक बार फिर धधक उठी है। घाटी में अब चुनी हुई सरकार है लेकिन ये सरकार आधी-अधूरी सरकार है । ये राज्य सरकार नहीं बल्कि एक केंद्र शासित क्षेत्र की सरकार है । यहां सीमाओं की सुरक्षा हो या पुलिस सब केंद्र के हाथ में है और केंद्र इस समय साम्प्रदायिक धुवीकरण में व्यस्त है। राहुल गाँधी और उनकी माँ श्रीमती सोनिया गाँधी को जेल भेजने की तैयारियों में व्यस्त है। हमारे भाग्यविधातों को बिहार और बंगाल की सत्ता जीतना है और ईडी,सीबीआई तथा केंचुआ के बाद भारत की न्यायपालिका को भी बंधुआ बनाना है। इसके लिए देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना साहब तक को देश में कथित तौर पर चल रहे तमाम गृह युद्दों के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। यदि भाजपा का यही पैमाना है तो पहलगाँम के नरसंहार के लिए भी देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना ही जिम्मेदार हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ कहा है कि गुनहगारों को बख्शा नहीं जाएगा। आतंकवादियों की कायराना हरकत का जवाब देने के लिए भारतीय सेना तैयार है। हमारी सेना तो पहले भी आतंकवादियों से लगातार जूझ ही रही थी ,उसके हाथ किसी ने बंधे थोड़े ही थे। फिर भी ये हादसा हुआ इसका अर्थ है की सरकार और सेना की रणनीति में कहीं कोई झोल रह गया।

आतंकवाद के फन को कुचलने का माकूल समय

जम्मू कश्मीर पहलगाम पर्यटन स्थल में सेना की वर्दी में आए चार पांच आतंकवादियों ने पर्यटन पर स्टील बुलेट से हमला कर 26 भारतीय तथा दो विदेशियों की निर्मम हत्या कर दी है। यह पुलवामा आतंकी हमले के बाद का सबसे बड़ा हमला है 28 मृतकों में अधिकांश पर्यटक हैं इसमें दो विदेशी तथा दो स्थानीय लोग शामिल है इसमें एक आईबी अफसर भी शामिल है। ज्ञात हो इस हमले की जिम्मेदारी टीआरएफ(दी रेसिस्टेंट फ्रंट) आतंकी संगठन ने अपने ऊपर ली है टीआरएफ संगठन लश्कर तैयबा पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन है जिसको पाकिस्तान की सरकार और आई एस आई का खुला समर्थन प्राप्त है एवं पाकिस्तान सेना इन्हें हथियार तथा धन मुहैया कराती है। यह हमला स्टील बुलेट से किया गया स्टील बुलेट चीन द्वारा पाकिस्तान सेना को युद्ध के लिए दी जाती है और यह स्टील बुलेट पाकिस्तान सुना ने लश्कर तैयबा के लड़ाकू आतंकवादियों को इस घटना को अंजाम देने के लिए दी गई थी। दुखद बात यह है कि आतंकवादियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछ पूछ कर पुरुषों को गोली मारी एवं महिलाओं को को छोड़कर उनसे कहा गया है कि अपनी सरकार को बता देना। इन सभी मृतक पर्यटकों में महाराष्ट्र राजस्थान उड़ीसा छत्तीसगढ़ एवं देश के अन्य राज्यों के निवासी शामिल है। जिस घोड़े के रेसकोर्स मैदान में निर्दोष पर्यटकों को मारा गया वहां पूरे मैदान में कहीं छुपने की जगह भी नहीं थी ऐसे में पर्यटक असहाय तथा असमर्थ थे। कुल मिलाकर यह एक दर्दनाक एवं निर्मम हत्याकांड को आतंकवादियों द्वारा अंजाम दिया गया ऐसे में अब आतंकवादियों तथा उनकी सोच को समूह नष्ट किया जाना चाहिए। यह आलेख लिखते

समय जानकारी मिली है कि अनुसार दो आतंकवादियों को सेवा के जवानों ने मार गिराया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना की निंदा कर भारत को संपूर्ण समर्थन देने का वादा किया है दूसरी तरफ रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एवं फ्रांस, कनाडा, इंग्लैंड एवं अन्य यूरोपीय देशों में भी भारत का समर्थन किया है। यह हमला भी ऐसे समय में किया गया है जब अमेरिका को राष्ट्रपति कई सामरिक तथा व्यापारिक अनुबंधों पर चर्चा एवं हस्ताक्षर करने चार दिन की यात्रा पर भारत पधारे हैं, इसके अलावा वक्फ बोर्ड पर मुसलमान लगातार हड़ताल कर रहे हैं साथ ही प्रधानमंत्री सऊदी अरब की 2 दिन की यात्रा पर हैं। यह ऐसे समय टीआरएफ ने जानबूझकर चुना जिसमें सरकार का ध्यान इन पर ना जा सके। प्रधानमंत्री मोदी अपनी सऊदी अरब की यात्रा को स्थगित कर वापस आ चुके हैं एवं जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बलों की हाई लेवल की बैठक भी जारी है। जांच एजेंसी के अनुसार या हमला पर्यटकों पर हाइब्रिड आतंकवादियों द्वारा किया गया हाइब्रिड आतंकवादी वे आतंकवादी है जो सामान्य रूप से इंजीनियर, डॉक्टर, मजदूर, कारीगर, पेंटर कुछ भी हो सकते हैं एवं इनको छुप कर हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी जाती है एवं मौका आने पर इनको हथियार उपलब्ध कराकर कराकर उनके आतंकवाद फैलाने का आदेश दिया जाता है यह हाइब्रिड आतंकवादी वारदात को अंजाम देकर फिर सामान्य जन जीवन में छुप जाते हैं जिनको चिन्हित करना तथा इनसे निपटना एक बड़ी समस्या है।

वैसे अब टेक्नोक्रेट आतंकवादी भी कई तरह के आतंकवाद को जन्म दे रहे हैं यह आतंकवादी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर का कई तरह से आतंकवाद फैलाने में सफल हुए हैं।वैसे तो उग्रवाद, आतंकवाद और अतिवाद हमेशा से अंतरराष्ट्रीय शांति के लिए खतरा बने हुए हैं' पहले यह आतंकवादी हाथों में बंदूक, ग्रेनेटो, रॉकेट लांचर लेकर विभिन्न देशों में तोड़फोड़ आगजनी और हत्या की घटनाएं किया करते थे' अब समय के परिवर्तन के साथ साथ आतंकवाद में अब इंटरनेट, मीडिया, सोशल मीडिया ने अपने पैर फैलाना शुरू किए हैं' आतंकवाद के नेटवर्क के लिए इंटरनेट तथा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर का आसानी से उपयोग करने लगे हैं' अमेरिका में जो ट्विन टावर और पेंटागन में हमले हुए थे, उसमें आधुनिकतम टेक्नोलॉजी का उपयोग कर लक्ष्य भेदी विमानों को को भेजा गया था और एक बड़ी विध्वंसकारी घटना को अंजाम दिया गया था। समय और तकनीकी शिक्षा के बढ़ने के साथ-साथ अब उग्रवादी तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर बड़े इंजीनियर तथा सॉफ्टवेयर इंजीनियर इस मैदान में आतंकवादियों के साथ टूट पड़े हैं। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स बड़े ही खतरनाक ढंग से सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल कर जनता को दिग्भ्रमित कर झूठी अफवाहें फैलाकर कई देशों के सूचना तंत्र में सेंध लगाकर वहां की सूचनाएं प्राप्त कर अपने उग्रवादी साथियों को भेज कर खुफिया सूचनाएं भेजते हैं। आतंकवादी गतिविधियों के लिए यह सूचनाएं अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। और देशों की शांति के लिए बहुत बड़ा खतरा भी होती हैं। भारत के परिपेक्ष में भारत में बाहर के टेक्निकल शिक्षा प्राप्त किए आतंकवादी जिन्हे व्हाइट कॉलर आतंकवादी भी कहा जाता है। खुफिया तंत्र के हिसाब से यह तकनीकी स्लीपर सेल्स शांति के लिए अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक होते हैं। क्योंकि इनकी पहचान नहीं हो पाती है। ये छुपे हुए होते हैं। इनका पता लगाना अन्य आतंकवादियों से ज्यादा कठिन होता है और केवल तकनीकी जानकारी के आधार पर ही संभव हो पाता है। यह टेक्नोक्रेट स्लीपर सेल्स इसलिए भी ज्यादा विनाशकारी होते हैं, क्योंकि यह दूर ठिकानों में बैठकर मीडिया, सोशल मीडिया, इंटरनेट के जरिए युवाओं को उकसा कर, भड़का कर सांप्रदायिक दंगे कराने में सफल हो जाते हैं। लेकिन अब पहलगाम में 28 लोगों की हत्या के बाद भारत सरकार को तथा वैश्विक संगठनों को आतंकवाद को समूल रूप से नष्ट करने तथा इसके पान को कुचलना के लिए बहुत ही कठोर कदम उठाकर उनकी सहायता तथा हथियार एवं धन उपलब्ध कराने वालों को हाथों को ही काट दिया जाना चाहिए।

गुरुकुल से गूगल तक

सुबह-सुबह जब मोबाइल के अलार्म ने कर्कश आवाज में नींद को तोड़ा, तो सबसे पहले नजर एक मैसेज पर पड़ी बच्चे का भविष्य उज्ज्वल बनाइए, सिर्फ चार लाख रुपए में। इसे पढ़ते ही ऐसा लगा, जैसे भविष्य उज्ज्वल होने से पहले ही अंधकार में डूब गया हो। यही हाल हर सुबह के अखबार का होता है झ हर कोने में चमचमाते विज्ञापन, जैसे शिक्षा अब एक जादुई किट हो, जो खरीदी जा सकती है। गांव की पाठशाला में बैठकर मिट्टी के फर्श पर अपने भविष्य की कल्पना करने वाले बच्चे अब वातानुकूलित कक्षाओं में भी वही सपने देख रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि वहां पर गुरुजी होते थे और यहां फीस स्लिप। पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब वाला मुहावरा अब पढ़ोगे जितना, लगेगा उतना में तब्दील हो गया है। शिक्षा का व्यवसायीकरण हो चुका है, जैसे ज्ञान भी अब ईएमआई पर मिल रहा हो। मालूम हुआ कि दिल्ली के एक नामी स्कूल ने यूनिफॉर्म डिजाइन के नाम पर बच्चों को फैशन शो का प्रतिभागी बना दिया। सवाल यह है कि विद्या का मंदिर क्या अब रैंप वॉक बन गया है? पुराने जमाने की सादा सफेद शर्ट और खाकी निकर आज ब्रांडेड टाई और स्मार्टफोन ऐप में सिमट गए हैं। शिक्षा के नाम पर यह व्यापार इतना जबरदस्त है कि माता-पिता अपनी महीने की सैलरी स्कूल की फीस भरने में ही गवां देते हैं। और इन स्कूलों के आयोजनों में बच्चे देश का भविष्य हैं कहने वाले वक्ता खुद के बच्चों को विदेश भेज चुके होते हैं। हाँ, यह वही लोग हैं, जो देशभक्ति का झंडा बुलंद करते समय किसी डिक्शनरी में नैतिकता को खोज रहे होते हैं। गांव के उस मास्टरजी का क्या हुआ, जिनके पढ़ाए बच्चे आईएएस, डॉक्टर और इंजीनियर बने? उनका संघर्ष और तपस्या क्या सिर्फ इसीलिए बेमानी हो गई, क्योंकि उन्होंने बच्चों से कभी आय के दस्तावेज नहीं मांगे? यही सोचते-सोचते एक सवाल आया झ आज शिक्षा का स्तर ऊंचा है या सिर्फ फीस की स्लिप भारी हो गई है? और फिर, शिक्षा के डिजिटल रूपांतरण ने तो सभी सीमाएं पार कर दी हैं। गुरु अब गूगल बन चुका है। छात्र प्रश्न पूछते नहीं, बल्कि सर्च करते हैं। स्कूल अब ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म बन चुके हैं।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए हिंदुओं को काठमांडू में दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी

काठमांडू। पहलगाम आतंकी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 हिन्दुओं की नृशंस हत्या के विरोध में आज काठमांडू में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज काठमांडू में विश्व हिन्दू परिषद नेपाल द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित लोगों ने मंत्रोच्चार के साथ ही मृत आत्मा की शांति के लिए प्राथना की। इस आतंकी घटना से नाराज लोगों ने जिहादी आतंकवाद मुर्दाबाद के नारे लगाए। उन्होंने हिंदुओं की चुन-चुन कर हत्या किए जाने पर कड़ी निंदा की है। इस श्रद्धांजलि सभा में सहभागी विश्व हिन्दू परिषद नेपाल के महासचिव जीतेन्द्र सिंह ने कहा कि हिन्दू होने के कारण ही पहलगाम में सबकी हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा आतंकवादी देश है, जिसको विश्व के नक्शे से मिटा देना चाहिए। श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित विहिप नेपाल के संगठन सचिव प्रह्लाद रेगमी ने कहा कि पहलगाम में आतंकियों ने न जाति पूछी गई न देश पूछा गया, सिर्फ हिन्दू होने के कारण उनकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि विश्व के हिन्दू एक परिवार की तरह है, इसलिए आज यहां मारे गए सभी हिंदुओं के लिए श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है।

जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड पर प्रतिबंध, संपत्तियां जब्त

अम्मान। जॉर्डन सरकार ने देश की प्रमुख विपक्षी संस्था मुस्लिम ब्रदरहुड को आधिकारिक रूप से अवैध संगठन घोषित कर दिया है। गृह मंत्री माजेन फ्राया ने बताया कि संगठन के कुछ सदस्यों के साजिश रचने की गतिविधियों से जुड़े पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। सरकार ने संगठन की सभी संपत्तियां और कार्यालय भी जब्त कर लिए हैं।मुस्लिम ब्रदरहुड दशकों से जॉर्डन में कानूनी रूप से काम करता रहा है और देश के कई प्रमुख शहरों में इसकी मजबूत जनाधार और उपस्थिति रही है। हालांकि, इस ताजा फैसले के बाद संगठन की सभी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। गृह मंत्री फ्राया ने स्पष्ट किया कि अब कोई भी व्यक्ति जो मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा का प्रचार करता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही संगठन से जुड़ा कोई भी प्रकाशन, कार्यक्रम या गतिविधि प्रतिबंधित कर दी गई है। उन्होंने कहा, ÷यह निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। किसी भी उकसावे या चरमपंथी विचारधारा के लिए जॉर्डन में कोई जगह नहीं है। विरोधियों का मानना है कि मुस्लिम ब्रदरहुड एक खतरनाक आतंकी संगठन है, जिसे समाप्त किया जाना चाहिए। हालांकि, संगठन का कहना है कि उसने दशकों पहले हिंसा का रास्ता छोड़ दिया था और वह शांतिपूर्ण तरीके से इस्लामी मूल्यों का प्रचार करता रहा है।

पाकिस्तान में रह रहे 1,00,000 से अधिक अफगान नागरिकों की घर वापसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने पुष्टि की कि देश में रह रहे 1,00,000 से अधिक अफगान नागरिक अपने वतन चले गए हैं। अवैध अफगान नागरिकों और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों की वापसी की समय सीमा 30 अप्रैल नजदीक आ रही है। यह अफगान नागरिकों के निष्कासन का दूसरा अभियान है। 2023 में पहला चरण शुरू हुआ था। पहले चरण के तहत, सभी अवैध और गैर-दस्तावेजी अफगानों को स्वेच्छा से देश छोड़ने या अफगानिस्तान निर्वासित किया गया। दूसरे चरण में, पाकिस्तान ने अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को भी शामिल करने की घोषणा की। स्वैच्छिक प्रत्यावर्तन के लिए 31 मार्च की समय सीमा निर्धारित की गई। वहीं बिना दस्तावेज वाले और एसीसी धारक अफगानों को तोरखम सीमा के माध्यम से देश से बाहर निकालने के लिए 30 अप्रैल की समय सीमा निर्धारित की गई। आंतरिक मंत्रालय ने पुष्टि की, अप्रैल के पहले तीन सप्ताह के दौरान 1,00,529 अफगान देश छोड़ चुके हैं। मार्च में स्वैच्छिक वापसी की समयसीमा समाप्त होने के बाद से अफगानों के काफिले प्रतिदिन तोरखम सीमा की ओर बढ़ते देखे जा रहे हैं। देश छोड़ने के लिए मजबूर कई अफगान परिवारों ने पाकिस्तानी पुलिस अधिकारियों के हाथों दुर्व्यवहार और अपमान का आरोप लगाया है।

भारत ने अफगानिस्तान को 4.8 टन टीके भेजे; काबुल ने जताया आभार

काबुल । भारत ने अफगानिस्तान को 4.8 टन टीके दान किए। इन टीकों में रेबीज, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा से लड़ने के लिए टीके शामिल हैं। अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय ने , इस मदद के लिए भारत का आभार व्यक्त किया। मंत्रालय के बयान में कहा गया, अफगानिस्तान के सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय को रेबीज, टेटनस, हेपेटाइटिस बी और इन्फ्लूएंजा से निपटने में मदद करने के लिए भारत से टीकों की एक महत्वपूर्ण खेप मिली है। इसमें कहा गया, सार्वजनिक स्वास्थ्य मंत्रालय के नेतृत्व ने उदार समर्थन के लिए भारत को धन्यवाद दिया और इसे एक महत्वपूर्ण कदम बताया, जिससे देश भर में हजारों लोगों की जान बच सकती है। मंत्रालय ने आगे कहा कि टीकों के दान से अफगानिस्तान को मदद मिलेगी, जहां लंबे समय से अस्थिरता और आर्थिक चुनौतियों के कारण जरूरी मेडिकल सप्लाई तक पहुंच सीमित बनी हुई है।

नेपाल में ओली का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री बर्खास्त, नए शिक्षा मंत्री की नियुक्ति

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपने एक निर्णय का विरोध करने वाले ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त कर दिया है। इसके साथ ही हाल ही में शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई के इस्तीफे को मंजूर करते हुए उनके स्थान पर रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से तमांग को पदमुक्त किए जाने की जानकारी गुरुवार को दी गई है। प्रधानमंत्री ओली ने शाम ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग को पद से बर्खास्त करने की राष्ट्रपति से सिफारिश की थी। ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग प्रधानमंत्री की कार्यशैली का खुलकर विरोध करते आ रहे थे। कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में ऊर्जा राज्य मंत्री ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री ओली की कार्यशैली की आलोचना करते हुए उनके फैसलों का विरोध किया था। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के

कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग को पद से बर्खास्त करने के सरकार के फैसले का ऊर्जा राज्य मंत्री पूर्ण बहादुर तमांग ने विरोध किया था। उन्होंने न सिर्फ कैबिनेट बैठक में बल्कि पत्रकार सम्मेलन कर ही प्रधानमंत्री पर गलत कदम उठाने का आरोप लगाया। तमांग की बर्खास्तगी ऐसे समय हुई है, जब नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष सिंगापुर के भ्रमण पर है तथा उनकी पत्नी और नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बैंकाक के दौरे पर हैं। ओली के इस फैसले का कांग्रेस पार्टी ने विरोध किया है।

अपनी बर्खास्तगी की खबर के बाद तमांग ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली भ्रष्टाचारियों का संरक्षण करते हैं और अच्छा काम करने वाले सरकारी अधिकारियों को पद से हटाते रहते हैं। उन्होंने ओली पर गठबंधन धर्म का पालन नहीं करने और अपनी मनमानी चलाने का भी आरोप लगाया है। आज ही प्रधानमंत्री ने शिक्षा मंत्री के पद पर अपनी पार्टी के सांसद रघुजी पंत को नियुक्त किया है। दो दिन पहले ही शिक्षा मंत्री विद्या भट्टराई ने प्रधानमंत्री के साथ अनबन के कारण पद से इस्तीफा दे दिया था। गुरुवार को उनका इस्तीफा मंजूर करते हुए पंत को भट्टराई के स्थान पर नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन से जारी बयान में कहा गया है कि रघुजी पंत को शिक्षा मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया है। उनका शपथग्रहण आज शाम को 4 बजे होना तय हुआ है। नवनियुक्त शिक्षा मंत्री के सामने सबसे बड़ी चुनौती 23 दिनों से चले आ रहे शिक्षक आंदोलन को खत्म करना होगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में विस्फोट, तीन पुलिसकर्मी घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के लक्की मारवत जिले के दर्रा पेजू इलाके में आज हुए विस्फोट में कम से कम तीन यातायात पुलिसकर्मी घायल हो गए। शुरुआती सूचना के अनुसार, विस्फोट के बाद यातायात पुलिस के वाहन में आग लग गई। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। घायलों में मोबाइल वैन प्रभारी इमरान भी शामिल हैं। चैनल की खबर के अनुसार, घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर गुनहगारों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया है। खैबर पख्तूनख्वा पुलिस ने कहा कि इससे एक दिन पहले आतंकवादियों ने करम ब्रिज के पास एक वन्यजीव पार्क की इमारत पर विस्फोट किया। इससे वन्यजीव पार्क का कार्यालय क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भारत के सिंधु जल संधि स्थगित करने से पाकिस्तान भड़का, पहलगाम आतंकी हमले को झूठा अभियान ठहराया

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में नई दिल्ली के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से पाकिस्तान भड़क गया है। वह भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने के फैसले से सबसे ज्यादा आगबबूला है। इस संबंध में पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ का ताजा बयान भारत के खिलाफ जहर उगल रहा है। चैनल ने रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान जारी किया है। बयान से ऐसा लगता है कि आसिफ को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला महज भारत का झूठा अभियान लगता है। अपने पूर्ववर्ती की तरह वह भी यह मानकर चल रहे हैं कि भारत ने जम्मू-कश्मीर में अवैध रूप से कब्जा किया हुआ है। उन्होंने बयान में कहा कि पाकिस्तान ने भारत के झूठे अभियान की आड़ में किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने की कसम खाई है। पाकिस्तान अपने पड़ोसी के शत्रुतापूर्ण स्वभाव के कारण हमेशा हाई अलर्ट पर रहता है। आसिफ ने आरोप लगाया है कि भारत लंबे समय

से सिंधु जल संधि से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर भारत कोई शत्रुतापूर्ण कार्रवाई करता है तो पाकिस्तान जवाब देने में संकोच नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि का मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक में सबसे ऊपर होगा। पाकिस्तान इस मसले में एकजुट है। देश की सशस्त्र सेना, जिसमें वायुसेना भी शामिल है, के पास पूरी रक्षात्मक क्षमता है। ख्वाजा आसिफ ने कुछ नरम होते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने पड़ोसी देशों के साथ सामान्य संबंध चाहता है, लेकिन साथ ही उकसाए जाने पर कड़ा जवाब देने के लिए भी तैयार है। भारत के दुस्साहस का उसी तरह जवाब दिया जाएगा।

पाकिस्तान में गरीबी बढ़ेगी, 10 मिलियन लोगों को करना पड़ेगा गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना

एजेंसी

इस्लामाबाद। विश्व बैंक ने आगाह किया है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान पाकिस्तान के लगभग 10 मिलियन लोगों को गंभीर खाद्य असुरक्षा का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही गरीबी के स्तर में वृद्धि की उम्मीद है।

यह चेतावनी तब आई जब बैंक ने पाकिस्तान के आर्थिक विकास के पूर्वानुमान को भी घटाकर 2.7 प्रतिशत कर दिया। पूर्वानुमान को घटाने में सख्त आर्थिक नीतियों का हवाला दिया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, वाशिंगटन स्थित ऋणदाता (विश्व बैंक) ने अपनी प्रमुख द्विवार्षिक पाकिस्तान आर्थिक अद्यतन रिपोर्ट में उल्लेख किया कि सरकार अपने वार्षिक बजट घाटे के लक्ष्य को पूरा करने में चूक सकती है। इसके अतिरिक्त, देश का ऋण भार निरपेक्ष रूप से और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बढ़ने का अनुमान है। विश्व बैंक ने कहा, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के समग्र कृषि उत्पादन को प्रभावित करने वाली जलवायु

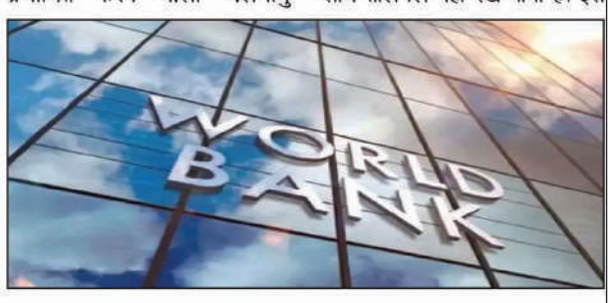

परिस्थितियों की वजह से लगभग 10 मिलियन लोगों (ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों) के वित्त वर्ष-25 में गंभीर खाद्य असुरक्षा के उच्च स्तर का अनुभव करने की उम्मीद है। रिपोर्ट में रेखांकित किया गया कि लगभग दो फीसद की जनसंख्या वृद्धि के साथ मिलकर इस वित्तीय वर्ष में लगभग 1.9 मिलियन और व्यक्तियों के गरीबी में चले जाने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सामाजिक सुरक्षा व्यय मुद्रास्फीति के साथ तालमेल नहीं रख पाया है। इस कारण गरीबों के लिए भोजन, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं के लिए उपलब्ध संसाधन सीमित हो रहे हैं। विश्व बैंक ने कहा है कि इससे बचने के लिए पाकिस्तान पूर्णतः बाजार निर्धारित विनिमय दर के साथ-साथ अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार की कार्यप्रणाली को बहाल करे।

इस्तांबुल में भूकंप, 151 लोग घायल - गवर्नर कार्यालय

एजेंसी

इस्तांबुल। इस्तांबुल के गवर्नर कार्यालय ने बताया कि आए 6.2 तीव्रता के भूकंप के दौरान घबराहट और बिल्डिंग से कूदने की घटनाओं के कारण 151 लोग घायल हो गए। कार्यालय ने बताया कि घायल व्यक्तियों का फिलहाल अस्पतालों में इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति ठीक है। समाचार एजेंसी अनुसार स्थानीय समयानुसार अपराह्न 3:30 बजे तक किसी के मरने की खबर नहीं है। गवर्नर कार्यालय ने पुष्टि की है कि फतिह जिले में एक इमारत को छोड़कर, पूरे शहर में कोई भी आवासीय इमारत नहीं गिरी है। कार्यालय के अनुसार, ऊर्जा आपूर्ति, प्राकृतिक गैस वितरण, या पेयजल एवं सीवेज अवसंरचना में कोई व्यवधान नहीं आया है, जिससे दैनिक जीवन पर प्रभाव पड़े। भूकंप के बीच पार्कों, स्कूल के मैदानों और अन्य खुले क्षेत्रों में लोग जमा हो गए। कुछ लोगों ने पार्कों में टेंट लगा लिए। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तय्यिप

एर्दोगान ने राष्ट्रीय संप्रभुता एवं बाल दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, भगवान का शुक्र है कि फिलहाल कोई समस्या नहीं है। ईश्वर हमारे देश और हमारे लोगों को सभी प्रकार की विपत्तियों, आपदाओं, दुर्घटनाओं और परेशानियों से बचाए। संचार निदेशालय के अनुसार, तुर्की के राष्ट्रपति को इस्तांबुल के गवर्नर से भूकंप के बारे में जानकारी मिली। गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि भूकंप लगभग 7 किमी (4.3 मील) की गहराई पर आया तथा 13 सेकंड तक रहा। इससे पहले दिन में, आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी ने घोषणा की कि भूकंप का केंद्र इस्तांबुल के यूरोपीय हिस्से में सिलिवरी जिले में मरमारा सागर में 6.92 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। तुर्की में भूकंप अक्सर आते रहते हैं, क्योंकि यह दो प्रमुख फॉल्ट लाइनों से होकर गुजरता है। फरवरी 2023 में 7.8 तीव्रता के भूकंप और दूसरे शक्तिशाली झटके के कारण 53,000 से अधिक लोग मारे गए और दक्षिणी तथा दक्षिण-पूर्वी तुर्की में लाखों इमारतें नष्ट हो गई या क्षतिग्रस्त हो गईं। पड़ोसी देश सीरिया के उत्तरी भागों में 6,000 से अधिक लोग मारे गए। हालांकि इस्तांबुल में उस भूकंप से हुई तबाही से काफी हद तक बचाव हो गया, लेकिन इससे भविष्य में इसी तरह की, उतनी ही विनाशकारी घटना की आशंका बढ़ गई।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नेपाली युवक की पार्थिव देह को स्वदेश पहुंचाया गया

एजेंसी

काठमांडू। भारत के जम्मू- कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए नेपाली युवक सुदीप न्यौपाने का शव सुबह स्वदेश पहुंच गया। सुदीप परिवार के साथ कश्मीर घूमने गए थे।सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को आज सुबह बेलहिया नाका से नेपाल लाया गया। कश्मीर से उनके पार्थिव शरीर को पहले दिल्ली फिर विमान के जरिए लखनऊ होते हुए सड़क मार्ग से नेपाल की

सीमा तक पहुंचाया गया। भारतीय अधिकारियों ने सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को सीमा नाका पर मौजूद नेपाली अधिकारियों को सौंपा।रूपंदेही के एसपी सोमेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि आज सुबह करीब 7:30 बजे दिवंगत सुदीप न्यौपाने के पार्थिव शरीर को लेकर उनके बुटवल स्थित घर तक पहुंचा दिया गया है। 27 वर्षीय सुदीप न्यौपाने अपनी मां देवकली, बहन सुषमा और बहनोई युवराज काफ्ले के साथ पिछले शनिवार को दिल्ली से कश्मीर घूमने गए थे। सुदीप का अंतिम संस्कार आज शाम को बुटवल में ही किया जाएगा। उनके काका दधिराम न्यौपाने ने बताया कि सारे रिश्तेदारों के आने के बाद शाम को उनका अंतिम संस्कार किए जाने का कार्यक्रम है।

ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने काठमांडू में नेपाल के प्रधानमंत्री ओली से की शिष्टाचार मुलाकात

एजेंसी

काठमांडू। दो दिवसीय दौरे पर आए भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं ने नेपाल और भारत के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों की सराहना करते हुए जल विद्युत क्षेत्र में भारत-नेपाल सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

काठमांडू में भारतीय दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक इस मुलाकात के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ने भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए भारत सरकार के आतंक के खिलाफ संघर्ष में हर तरह से समर्थन देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। नेपाल के प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच ऊर्जा क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व सहयोग के लिए भारत सकता के प्रति आभार

व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नेपाल के जलविद्युत विकास में भारत के सहयोग का योगदान सराहनीय है। मनोहर लाल अपने समकक्ष ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री दीपक खडका के निमंत्रण पर काठमांडू पहुंचे। दोनों मंत्रियों ने मंगलवार को नेपाल-भारत बिजली क्षेत्र के सहयोग पर केंद्रित द्विपक्षीय बैठक की सह-अध्यक्षता की। दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) और पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने मंगलवार को भारत और नेपाल में दो संयुक्त उद्यम कंपनियों के गठन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत उच्च क्षमता वाली 400 केवी डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइनों इनारुवा-न्यू पूर्णिया और डोडोधरा-बरेली का निर्माण किया जाना है। उन्होंने खडका के साथ मिलकर एसजेवीएन लिमिटेड ऑफ इंडिया द्वारा विकसित की जा रही 900 मेगावाट अरुण-3 पनबिजली परियोजना का भी दौरा किया।

पहलगाम हमले के जवाब में नई दिल्ली के कूटनीतिक उपायों की घोषणा से इस्लामाबाद चिंता में, एनएससी की बैठक बुलाई

एजेंसी

इस्लामाबाद। भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के जवाब में नई दिल्ली के कूटनीतिक दंडात्मक उपायों की घोषणा से पाकिस्तान की संघीय सरकार हिल गई है। इनमें सबसे प्रमुख है 1960 से दोनों देशों के बीच जारी सिंधु जल संधि का निलंबन। नई दिल्ली की घोषणा के बाद आनन-फानन में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की आपातकालीन बैठक आहूत की। यह बैठक आज सुबह शुरू होनी है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के अनुसार, पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार ने देररात कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री, प्रमुख कैबिनेट सदस्य, सैन्य प्रमुख और खुफिया प्रमुख शामिल होंगे। अखबार के अनुसार, भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कल नई दिल्ली में पांच प्रमुख

उपायों की घोषणा की। इन्हें उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के लिए निर्णायक प्रतिक्रिया कहा। इनमें सिंधु जल संधि को तत्काल निलंबित करना सबसे महत्वपूर्ण था। मिस्री ने कहा कि1960 की सिंधु जल संधि तत्काल प्रभाव से स्थगित रहेगी, जब तक कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। यही नहीं, उन्होंने पहलगाम हमले से सीधे तौर पर पाकिस्तान को जोड़ा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, इस्लामाबाद ने नई दिल्ली के आरोप के जवाब में पहलगाम हमले में जानमाल के नुकसान पर चिंता व्यक्त की और पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। हालांकि, पाकिस्तान के अधिकारियों ने नई दिल्ली के आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

नेपाल के धार्मिक स्थलों के प्रचार में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी का योगदान अहमः धनराज गुरुंग

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष धनराज गुरुंग ने कहा कि नेपाल के सभी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों को विश्वव्यापी ख्याति दिलाने में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का महत्वपूर्ण योगदान है। नेपाल के धार्मिक स्थलों को अंतराष्ट्रीय रूप में पहचान दिलाने में मोदी की भूमिका के प्रति नेपाल को आभार व्यक्त करना चाहिए। इन सभी धार्मिक स्थलों पर उनके भ्रमण के बाद पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ी है लेकिन नेपाल के अपने प्रधानमंत्रियों ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई है।

जनकपुरधाम में आयोजित एक कार्यक्रम में नेपाली कांग्रेस के उपाध्यक्ष गुरुंग ने कहा कि नेपाल भले ही हिंदुओं की तपोभूमि है, लेकिन नेपाल सरकार और नेपाल के किसी भी प्रधानमंत्री से अधिक योगदान प्रधानमंत्री मोदी का है। उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार इस मामले में पीछे है। गुरुंग ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के धार्मिक पर्यटकों के विकास के लिए पशुपतिनाथ, लुम्बिनी, मुक्तिनाथ और जनकपुरधाम का दौरा किया है, जिसके कारण इन सभी धार्मिक स्थलों पर उनके भ्रमण के बाद पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ी है लेकिन नेपाल के अपने प्रधानमंत्रियों ने इसमें कोई रुचि नहीं दिखाई है।

बीजिंग में दुनिया की पहली अनूठी हाफ मैराथन, लोगों के साथ दौड़े रोबोट

बीजिंग।चीन के रोबोट भले ही इंसानों की तरह तेज न दौड़ पाएं पर वह संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक व्यापक दौड़ में भी हैं। पिछले सप्ताहांत शनिवार को चीन की राजधानी बीजिंग ने दुनिया की पहली हाफ मैराथन की मेजबानी की। इसमें दो पैरों वाले रोबोट भी लोगों के साथ दौड़े। चीन की तकनीकी प्रगति का यह अनूठा प्रदर्शन है। न्यूज की खबर के अनुसार, इस हाफ मैराथन में चीन निर्मित कुल 21 मानव रोबोट लगभग 12,000 लोगों के साथ शामिल हुए। विभिन्न आकार में निर्मित यह रोबोट मानव प्रशिक्षकों के साथ थे। उन्हें अलग ट्रैक पर दौड़ते समय कुछ दूर से नियंत्रित किया गया। चीन ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया है। बीजिंग ने कहा कि यह दौड़ कृत्रिम बुद्धिमत्ता में दुनिया की दो सबसे बड़ी शक्तियों, अमेरिका और चीन के बीच बढ़ती तकनीकी प्रतिद्वंद्विता के बीच हुई। बीजिंग ने कहा कि हालांकि चीन अभी भी दूसरे स्थान पर है, लेकिन एआई और पेटेंट के मामले में वह दुनिया में सबसे आगे है और एआई मॉडलों की गुणवत्ता के मामले में अंतर को कम कर रहा है। इस साल की शुरुआत में चीन के स्टार्ट-अप डीपसीक ने चैटजीपीटी जैसा मॉडल बहुत कम लागत पर विकसित किया है। इलेक्ट्रिक वाहनों की तरह ही चीन सरकार ह्यूमनॉइड रोबोट को आर्थिक विकास के संभावित इंजन के रूप में बढ़ावा दे रही है। यह तब है जब ट्रंप प्रशासन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस चिप्स पर अमेरिकी निर्यात नियंत्रण को कड़ा कर रहा है बीजिंग ने कहा कि रोबोट-मानव दौड़ 2027 तक ह्यूमनॉइड रोबोट में विश्व नेता बनने के चीन के लक्ष्य की दिशा में एक और कदम है। इस हाफ मैराथन में बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमनॉइड रोबोटिक्स के विजेता रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा के टीम लीडर गुओ यिजी ने कहा कि इसमें 20 से अधिक रोबोट कंपनियों ने हिस्सा लिया। इनमें सबसे लंबा रोबोट 5 फीट 10 इंच और सबसे छोटा लिटिल जायंट 2.5 फीट से कम था। जब वह आगे बढ़ा और उत्साह से हाथ हिलाया तो भीड़ ने तालियां बजाईं। कुछ रोबोट बिलकुल इंसानों की तरह आसानी से दौड़े। कुछ अन्य की चाल अधिक सख्त और अधिक यांत्रिक रही। बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमनॉइड रोबोटिक्स में ब्रांड और जनसंपर्क प्रमुख वेई जियाक्सिंग ने कहा कि हमारा लक्ष्य ह्यूमनॉइड रोबोट को विभिन्न उद्योगों और घरों में एकीकृत करना है। वे उत्पादकता बढ़ा सकते हैं। दक्षता में सुधार कर सकते हैं और श्रम की कमी को दूर करने में मदद कर सकते हैं। 21 रोबोट में से छह फिनिश लाइन तक पहुंच पाए। विजेता रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा ने तीन बार बैटरी बदलने और एक बार गिरने के बाद दो घंटे और 40 मिनट में दौड़ पूरी की। इसकी तुलना पुरुषों की दौड़ के मानव विजेता के लिए 1 घंटे और 2 मिनट के समय से की जा सकती है। वाशिंगटन स्थित थिंक टैंक कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस के अनुसार, आज की लिथियम आयन बैटरी के लिए मूल्य शृंखला के हर चरण में वैश्विक बाजार में 70 फीसदी से 90 फीसदी की हिस्सेदारी रखते हुए चीन बैटरी उद्योग पर हावी है। चीन दुर्लभ पृथ्वी के उत्पादन और प्रसंस्करण पर भी हावी है। यह रोबोट बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने मंगलवार को कहा कि उनके ऑप्टिमस ह्यूमनॉइड रोबोट का उत्पादन दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों पर निर्यात प्रतिबंधों से बाधित हुआ है। बीजिंग ने कहा कि दौड़ में लड़खड़ाने के बावजूद रोबोट धावकों ने राष्ट्रीय गौरव को बढ़ाया।

जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता में फ्रेंड्स क्लब मेजा ने जीती ट्रॉफी

एजेंसी

प्रयागराज। डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन (डीवीए) प्रयागराज से संबद्ध एवं मान्यता प्राप्त एक दिवसीय डे एंड नाइट जिला स्तरीय वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन तहसील हंडिया के अंतर्गत टेला गांव स्थित दूधनाथ यादव इंटर कॉलेज में किया गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब मेजा ने सुलतानपुर भावा को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। प्रतियोगिता में जिले की कुल आठ टीमों ने भाग लिया। फाइनल मैच प्रारम्भ होने से पूर्व विधायक हंडिया हाकिम लाल बिंद ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। फाइनल मुकाबला फ्रेंड्स क्लब मेजा और सुल्तानपुर भावा की टीम के बीच खेला गया। जिसमें फ्रेंड्स क्लब मेजा की टीम ने सुल्तानपुर भावा की टीम को 25-20 व 25-23 अंकों से हराकर ट्रॉफी जीत ली। विजेता टीम की ओर से विवेक शुक्ला व अंकित विश्वकर्मा तथा उपविजेता टीम की ओर से अक्षय श्रीवास्तव, आशीष यादव व मो.जीसान का खेल सराहनीय रहा। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पर मेजबान कॉलेज के प्रबंधक ब्रह्मदेव सिंह यादव ने विजेता एवं उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार प्रदान किया। आयोजन समिति के सयोंजक राजकुमार पाठक व अध्यक्ष सोनू यादव ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिपः भारत में गोल्फ का नया स्वर्णिम अध्याय

नई दिल्ली। डीपी वर्ल्ड और डीपी वर्ल्ड टूर ने मिलकर भारत में गोल्फ के इतिहास को नया आयाम देते हुए डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप की घोषणा की है। इस भव्य टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि 04 मिलियन डॉलर (लगभग 33 करोड़ रुपये) होगी, जो अब तक भारत में किसी भी गोल्फ टूर्नामेंट की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि है। यह चैम्पियनशिप 'बैक 9' चरण की आठवीं प्रतियोगिता होगी, जिसके बाद दुबई में डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप के साथ सत्र का समापन होगा। यह ऐतिहासिक आयोजन 16 से 19 अक्टूबर के बीच प्रतिष्ठित दिल्ली गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा, जहां डीपी वर्ल्ड टूर की वापसी 2016 के बाद पहली बार हो रही है। यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा और यह 2025 रेस टू दुबई के 'बैक 9' चरण का हिस्सा होगा। डीपी वर्ल्ड के सीईओ रिजवान सूमर ने कहा, 'हम भारत में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह चैम्पियनशिप न केवल खेल को ऊंचाइयों पर ले जाएगी, बल्कि समुदायों पर भी सकारात्मक प्रभाव डालेगी।' डीपी वर्ल्ड भारत में खेलों में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है, जिसमें दिल्ली कैपिटल्स के साथ साझेदारी और 'बॉल्स फॉर बर्डीज' जैसे पहल शामिल हैं।

त्रिकोणीय वनडे सीरीज के लिए श्रीलंकाई महिला क्रिकेट टीम घोषित, तीन नए चेहरों को मौका

कोलंबो। भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 27 अप्रैल से शुरू हो रही महिला वनडे त्रिकोणीय सीरीज के लिए श्रीलंका ने अपनी 17 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। इस टीम की कमान अनुभवी बल्लेबाज चमारी अटापट्टू को सौंपी गई है। श्रीलंका सीरीज की शुरुआत 27 अप्रैल को भारत के खिलाफ कोलंबो में करेगी। टीम में तीन नई खिलाड़ी – माल्की मडारा, देवमी विहांगा और पिउमी बडालगे को शामिल किया गया है, जिन्होंने अभी तक श्रीलंका के लिए वनडे नहीं खेला है। इन तीनों के अलावा टीम में कुल छह बदलाव किए गए हैं जो इस साल की शुरुआत में न्यूजीलैंड दौरे पर गई टीम का हिस्सा नहीं थे। टीम में अनुभवी स्पिनर इनोका राणावीरा, हसीनी परेरा और हंसिमा करुणारत्ने की भी वापसी हुई है। वहीं, इमेशा दुलानी, सचिनी निसांसला, कौशिनी नुथ्यांगना, चेथना विमुक्ति और घायल उदेशिका प्रभोदनी को टीम से बाहर कर दिया गया है। 24 वर्षीय स्पिनर माल्की मडारा ने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में अपने पहले ही मैच में तीन विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन किया था। 19 वर्षीय देवमी विहांगा, जो एक स्पिन ऑलराउंडर हैं, को भी पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है।

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए घोषित किया 54 सदस्यीय संभावित कोर ग्रुप

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने गुरुवार को आगामी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 54 खिलाड़ियों के संभावित कोर ग्रुप की घोषणा की है। यह कैंप 25 अप्रैल से बेंगलुरु स्थित साई सेंटर में शुरू होगा। हाल ही में उत्तर प्रदेश के झांसी में संपन्न हुई 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 के प्रदर्शन के आधार पर इन खिलाड़ियों का चयन किया गया है। यह कैंप 25 से 30 अप्रैल तक चलेगा, जिसके बाद प्रदर्शन के आधार पर इस ग्रुप को घटाकर 40 खिलाड़ियों तक कर दिया जाएगा। चयनित 40 खिलाड़ी 1 मई से 25 मई 2025 तक कैंप के अगले चरण में भाग लेंगे। इस 54 सदस्यीय दल में से 38 खिलाड़ी पहले से ही कोर ग्रुप का हिस्सा रहे हैं, जबकि शेष खिलाड़ियों को राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उनके शानदार प्रदर्शन के आधार पर बुलाया गया है।

अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के न्यौते को ठुकराया, एशियन चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे

एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा के जेवलिन इवेंट 'एनसी क्लासिक' में भाग लेने से इनकार कर दिया है। यह फैसला उन्होंने आगामी एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी को प्राथमिकता देते हुए लिया है। हालांकि, उन्होंने नीरज के निमंत्रण के लिए उनका आभार जताया है। 24 मई को बेंगलुरु में आयोजित होने वाले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में अरशद नदीम की गैरमौजूदगी रहेगी। नदीम ने एक बयान में कहा, 'एनसी क्लासिक इवेंट 20 से 24 मई के बीच है, जबकि मैं 22 मई को कोरिया रवाना हो रहा हूं।÷ वे 27 से 31 मई तक कोरिया के गुमी शहर में होने वाली एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तैयारी में जुटे हैं।

नीरज ने भेजा था व्यक्तिगत निमंत्रण

इससे पहले नीरज चोपड़ा ने मीडिया से बातचीत में बताया था कि उन्होंने अर्शद को व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित किया है। नीरज ने कहा, 'मैंने अरशद को निमंत्रण भेजा था। उन्होंने कहा था कि कोच से बात कर के जवाब देंगे।'

स्टार एथलीट्स से सजा रहेगा एनसी क्लासिक

'नीरज चोपड़ा क्लासिक' के पहले संस्करण में कई दिग्गज एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। ग्रेनेडा के दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर, केन्या के 2016 रियो ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट जूलियस येगो और अमेरिका के करंट सीज़न लीडर कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर) की भागीदारी तय है।

वर्ल्ड एथलेटिक्स से मिला कैटेगरी ए का दर्जा

इस प्रतिष्ठित इवेंट को वर्ल्ड एथलेटिक्स की तरफ से कैटेगरी 'ए' का दर्जा मिला है। इसे नीरज चोपड़ा और जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स द्वारा एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआई) और वर्ल्ड एथलेटिक्स के साथ मिलकर आयोजित किया जा रहा है।

स्थिति के अनुसार ढलने की जरूरत, बहाना नहीं चलेगा: रजत पाटीदार

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ 24 अप्रैल को होने वाले अहम मुकाबले से पहले मीडिया से बातचीत में टीम के हालिया प्रदर्शन और रणनीतियों को लेकर खुलकर बातें कीं। उन्होंने खासतौर पर एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच, टॉस फैक्टर, 'इम्पैक्ट प्लेयर' के इस्तेमाल और कप्तानी के अनुभव पर अपने विचार साझा किए। पाटीदार ने स्वीकार किया कि घरेलू मैदान पर टीम का प्रदर्शन अपेक्षा से कमतर रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने होम मैचों में अच्छी क्रिकेट नहीं खेली है। टॉस हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन पिचें इस बार थोड़ी ट्रिकी हैं। फिर भी, यह कोई बहाना नहीं है। हमें परिस्थितियों के अनुसार खुद को शीघ्र ढालना होगा। टॉस के महत्व पर बात करते हुए उन्होंने कहा, ऐसा नहीं है कि अगर टॉस हार गए तो आधी जंग हार गए। हमें जो भी परिस्थिति मिले, उसमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना हमारा लक्ष्य है।' टीम के मनोबल को लेकर रजत ने कहा कि ÷इस लीग में मैच लगातार होते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम अतीत की गलतियों से सीखें और वर्तमान पर ध्यान दें। हार को पीछे छोड़कर हर मुकाबले में नए जोश के साथ उतरना ही हमारी रणनीति है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर को लेकर उन्होंने खुलासा किया कि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में मनोज भांडगे को मैदान में उतारना अचानक लिया गया फैसला था, जो परिस्थिति के हिसाब से सही था। उन्होंने बताया कि ÷हमने जल्दी विकेट खो दिए थे, इसलिए एक अतिरिक्त बल्लेबाज की जरूरत थी। पिच की चुनौतियों पर पाटीदार ने कहा, इस बार की पिचें दो-रूपी हैं और उछाल में भी बदलाव रहता है, जिससे गेंदबाजों को मदद मिल रही है। इसलिए शॉट चयन में सतर्क रहना बहुत जरूरी है।

फेडरेशन कप 2025: विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया नया रिकॉर्ड

एजेंसी

कोच्चि। तमिलनाडु की 26 वर्षीय ओलंपियन विथ्या रामराज ने 28वीं राष्ट्रीय फेडरेशन एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में नया मीट रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 56.04 सेकंड का समय निकालते हुए पिछले 6 वर्षों से कायम रिकॉर्ड को तोड़ा और दूसरे स्थान पर रहीं अनु राघवन से 2 सेकंड से अधिक का अंतर रखा। विथ्या ने एशियन गेम्स में पी.टी. उषा के 41 साल पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी (55.42 सेकंड) की थी और अब वह इसे तोड़ने के लिए तैयार दिख रही हैं। उनका कहना है, ÷अगर रेस एक दिन बाद होती तो मैं 54 सेकंड के भीतर दौड़ जाती। मेरा लक्ष्य है इस साल 54 सेकंड का समय निकालना।

पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में यशस की बेस्ट परफॉर्मेंस

कर्नाटक के पी. यशस ने पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 49.32 सेकंड के साथ जीत दर्ज की, लेकिन एशियन चैंपियनशिप के लिए तय 49.19 सेकंड के क्वालिफिकेशन मार्क से चूक गए।

ट्रिपल जंप में निहारिका वशिष्ठ का गोल्डन कमबैक

महाराजा स्टेडियम के एक अन्य कोने में, पंजाब की नेशनल गेम्स चैंपियन निहारिका वशिष्ठ ने आखिरी राउंड में 13.49 मीटर की शानदार छलांग लगाकर केरल की सैंड्रा बाबू को मात्र 1 सेमी से पछाड़ते हुए गोल्ड मेडल जीता। इंस्टाग्राम पर 2.4 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स वाली निहारिका ने दो साल के डोपिंग बैन के बाद फरवरी 2022 में वापसी की थी और अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत दिख रही हैं। उन्होंने एक साल में अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन में 40 सेमी से अधिक का सुधार किया है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम घोषित

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी)ने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। यह मुकाबला 28 अप्रैल से चटगांव के बीर श्रेष्ठ फ्लाइट लेफ्टिनेंट मतीउर रहमान स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम में दो बदलाव किए गए हैं, जिनमें सबसे बड़ी वापसी अनामुल हक की है, जो करीब तीन साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। अनामुल हक इस समय ढाका प्रीमियर डिवीजन क्रिकेट लीग में शानदार फॉर्म में हैं और हाल ही में वह मान्यता प्राप्त क्रिकेट में 50 शतक लगाने वाले पहले बांग्लादेशी बल्लेबाज़ बने हैं। 32 वर्षीय अनामुल ने पिछली बार साल 2022 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। टीम से बाहर किए गए ज़ाकिर हसन को पहले टेस्ट में मौका नहीं मिला था, और अब उन्हें पूरी तरह से ड्रॉप कर दिया गया है। टीम में दूसरा बदलाव तेज़ गेंदबाज़ नाहिद राणा की जगह हुआ है, जिन्हें पीएसएल में पेशावर ज़ल्मी की ओर से खेलने की संभावना है। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर तनवीर इस्लाम को शामिल किया गया है, जो अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं कर पाए हैं।

दूसरे टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम इस प्रकार है:

नजमुल हसन शान्तो (कप्तान), महमुदुल हसन जॉय, शादमान इस्लाम, अनामुल हक बिजॉय, मोमिनुल हक, मुशफिकुर रहीम, महिदुल इस्लाम भुइयां अंकन, जाकेर अली अनिक, मेहदी हसन मिराज (उपकप्तान), तैजुल इस्लाम, नईम हसन, तनवीर इस्लाम, हसन महमूद, सैयद खालेद अहमद, तंजीम हसन शाकिब।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने नई एमएलसी फ्रेंचाइजी के साथ की रणनीतिक साझेदारी की घोषणा

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूज़ीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) की एक आगामी टीम के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। यह टीम वर्ष 2027 में अपना पदार्पण करेगी और इसका स्वामित्व 'टू नॉर्थ स्पोर्ट्स वेंचर्स' नामक समूह के पास है, जिसका संचालन एमएलसी के सह-संस्थापक समीर मेहता और विजय श्रीनिवासन कर रहे हैं। इस समूह में अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल लीग (एनएफएल) की टीम 'सैन फ्रांसिस्को 49र्स' की निवेश शाखा भी भागीदार होगी।

क्रिकेट संचालन की ज़िम्मेदारी एनजेडसी के पास

इस समझौते के अंतर्गत एनजेडसी न केवल टीम में अंशधारक बनेगा, बल्कि उसके

क्रिकेट संचालन, खिलाड़ियों के विकास और उच्च प्रदर्शन कार्यक्रमों की ज़िम्मेदारी भी संभालेगा। इसके लिए प्रशिक्षकों, अनुबंधित खिलाड़ियों और घरेलू क्रिकेट प्रणाली का समन्वय किया जाएगा। एनजेडसी के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी स्कॉट वीनींक ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस साझेदारी से हमें सेवाएं देने के लिए भुगतान प्राप्त होगा और अमेरिकी क्रिकेट के साथ-साथ हमारे अपने क्रिकेट ढांचे में निवेश का अवसर मिलेगा। टीम के सह-मालिक समीर मेहता ने बताया कि एक प्रसिद्ध फिल्मी सितारे के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने एनजेडसी को उच्च प्रदर्शन में विश्व की सर्वश्रेष्ठ संस्था बताया और कहा कि अमेरिका जैसे सीमित प्रतिभा वाले क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता अत्यंत लाभदायक होगी। इसके साथ ही 49र्स की व्यावसायिक विशेषज्ञता से ब्रांड प्रचार, प्रायोजन और व्यापारिक वस्तुओं के क्षेत्र में भी सहायता मिलेगी। एनजेडसी ने इस समझौते को अपनी पांच-वर्षीय रणनीति का हिस्सा बताया है, जिसका उद्देश्य आय के स्रोतों को विविध बनाना है।

खालसा, रामजस और किरोड़ी मल कॉलेज ने जीते बास्केटबॉल मुकाबले

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएसपीबी चौथे बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे दिन पुरुष वर्ग में श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज, रामजस कॉलेज, किरोड़ी मल कॉलेज और खालसा कॉलेज एलुमनी ने जीत दर्ज की।श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 74 -59 से हराया और विजई टीम के साहिल माथुर प्लेयर ऑफ द मैच बने। रामजस कॉलेज ने भीम राव आंबेडकर कॉलेज को 76 - 59 से हराया और रामजस कॉलेज के आयुष प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। किरोड़ी मल कॉलेज ने भारत अकादमी को 64- 48 से हराया और दक्ष चौधरी को प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार मिला। एसजीटीबी खालसा कॉलेज एलुमनी ने हंसराज कॉलेज को 66-64 से हराया, प्लेयर ऑफ द मैच विजय टीम के देशमुख माथुर

को मिला।महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने गार्गी कॉलेज को 45 - 41 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की विपासना को मिला।

आईपीएल 2025: मुंबई इंडियंस ने लगातार चौथा मैच जीता, हैदराबाद को 7 विकेट से दी पटखनी

एजेंसी

हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 41वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद को 26 गेंद शेष रहते 7 विकेट से हरा दिया। लगातार चार मैचों में मिली जीत के साथ मुंबई की टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। मुंबई के नौ मैच में 5 जीत के साथ 10 अंक हो गए हैं। तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को धारदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने 4 ओवर में 26 रन खर्च कर 4 विकेट अपने नाम किए। हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मुंबई को 144 रन के लक्ष्य मिला था, जिसे उसने 16वें ओवर में बना लिया। मुंबई के लिए रोहित शर्मा ने शानदार 70 रन बनाए। अपनी पारी में रोहित ने 8 चौके और तीन छक्के जड़े। रोहित के अलावा, सूर्यकुमार

यादव के नाबाद 40 रन की अहम पारी रही। वहीं, विल जैक्स के 22 रन और रियान रिकल्टन ने 11 रन का योगदान दिया। सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा और जीशान अंसारी को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले, टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 143 रन बनाए। हालांकि टीम की शुरुआत काफी खराब रही।

हैदराबाद ने 35 रन के अंदर 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद हेनरिकक क्लासेन और अभिनव मनोहर ने मोर्चा संभाला और 99 रन की साझेदारी कर टीम को बेहतर स्थिति में ले गए। इन दोनों के शानदार प्रदर्शन के बल पर टीम का स्कोर 143 रन तक पहुंच सका। मुंबई के लिए ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट चटकाए। जबकि दीपक चहर को दो सफलता मिली। वहीं, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या को एक-एक विकेट मिला।

शापूरजी के चार गोल, फ्रंटियर ने विक्ट्री को रौंदा

नयी दिल्ली। जाहान शापूरजी की तिकड़ी सहित जमाए चार गोलों की मदद से फ्रंटियर फुटबाल क्लब ने विक्ट्री एफसी को 9- 0 से हरा कर डीएसए 'ए ' डिवीज़न लीग में दूसरी जीत दर्ज की। यहां नेहरू स्टेडियम मैदान पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में फ्रंटियर ने स्कूली खिलाड़ियों से सजी विक्ट्री को शुरू से ही दबाव में रखा। सनी दहिया ने दो, भूपेंद्र, शोभित भंडारी और अक्षत तनेजा ने एक-एक गोल किया। दिन के पहले मुकाबले में पश्चिम हीरोज ने शक्ति एफसी को संजीत के एकमात्र गोल से परास्त किया द्य सुबह के सत्र में खेले गए रोमांचक मुकाबले में किम के शानदार गोल की मदद से गढ़वाल यूनाइटेड ने हॉप्स एफसी को हरा कर डीएसए महिला प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए ।

'शाहोशी रानी' पहल के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स ने खेला नाइट गोल्फ का आठवां संस्करण

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम ने क्रिकेट की बजाय गोल्फ क्लब संभाले और 'नाइट गोल्फ' के आठवें संस्करण में भाग लिया। यह आयोजन रॉयल कलकत्ता गोल्फ क्लब (आरसीजीसी) में आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य था फ्रेंचाइज़ी की नई सामाजिक पहल 'शाहोशी रानी' का समर्थन और जश्न मनानाइस विशेष अवसर पर टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे, मेंटर ड्वेन ब्रावो, तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्ट्जे और सीईओ वेंकी मैसूर सहित कई सदस्य शामिल हुए। इन्होंने टीम प्रबंधन और सहयोगी भागीदारों के साथ मिलकर मित्रतापूर्ण गोल्फ मुकाबले में हिस्सा लिया। मैदान में आमतौर पर बल्ले और गेंद से खेल दिखाने वाले ये सितारे इस बार गोल्फ कोर्स पर महिलाओं के सशक्तिकरण के संदेश को आगे बढ़ा रहे थे। 'शाहोशी रानी', केकेआर की नई सामाजिक पहल है,

जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। इस आयोजन से प्राप्त सभी आय इस पहल के तहत महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियों में खर्च की जाएगी।केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'नाइट गोल्फ सिर्फ एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला माध्यम है। 'शाहोशी रानी' के माध्यम से हम उन महिलाओं तक पहुंचना चाहते हैं जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सपनों को पूरा करने की हिम्मत रखती हैं।' टीम के मेंटर ड्वेन ब्रावो ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, 'खेल सिर्फ मैदान तक सीमित नहीं होता, वह समाज में बदलाव लाने का जरिया भी है। हमें गर्व है कि हम इस मुहिम का हिस्सा हैं।'

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग में लैंगिक समानता की नई पहल, पुरुषों के समान मैट साइज पर खेल रहीं महिला खिलाड़ी

एजेंसी

गुरुग्राम। खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल करते हुए ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआईपीकेएल) ने इतिहास रच दिया है। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जारी इस लीग में महिला खिलाड़ियों को पहली बार पुरुषों के समान आकार वाले कबड्डी मैट पर खेलने का अवसर दिया गया है। यह निर्णय खेल में समान अवसर और प्रतिस्पर्धा के स्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से लिया गया है। परंपरागत रूप से महिलाओं के मैच छोटे मैट पर आयोजित किए जाते रहे हैं, जिससे उन्हें सीमित स्थान और रणनीतिक बाधाओं का सामना करना पड़ता था। लेकिन जीआईपीकेएल के आयोजकों ने इस बाधा को तोड़ते हुए महिला खिलाड़ियों को समान मंच देने का साहसिक निर्णय लिया है। इस कदम को खेल विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं से भरपूर सराहना मिल रही है। हुए महिला वर्ग के मुकाबलों में तीन रोमांचक मैच खेले गए। पहले मैच में तमिल लायनेस ने तेलुगु चीता को 28-27 से हराकर रोमांचक जीत हासिल की। तमिल लायनेस ने 13 रेड पॉइंट, 13 टैकल पॉइंट और चार सुपर टैकल करते हुए निर्णायक क्षणों में धैर्य बनाए रखा। तेलुगु चीता ने कड़ा संघर्ष किया,

लेकिन अंतिम क्षणों में तमिल टीम की बढ़त निर्णायक साबित हुई। दूसरे मैच में मराठी फाल्कन्स ने भोजपुरी लेपर्डेस को 36-34 से हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। भोजपुरी टीम ने रेड में 28 पॉइंट और तीन सुपर रेड हासिल किए, लेकिन मराठी टीम ने चार ऑलआउट और एक अहम सुपर टैकल के साथ जबरदस्त वापसी की। आखिरी लम्हों में मराठी फाल्कन्स ने अपनी पकड़ बनाए रखते हुए दो अंकों की जीत दर्ज की।

तीसरे और अंतिम महिला मुकाबले में पंजाबी टाइग्रेस ने हरियाणवी ईगल्स को 48-22 से हराकर एकतरफा जीत हासिल की। 26 रेड पॉइंट, 13 टैकल पॉइंट और 8 ऑलआउट के साथ पंजाबी टाइग्रेस ने पूरे मुकाबले पर नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणवी टीम ने दो सुपर टैकल किए, लेकिन वह पंजाबी टीम की आक्रामकता और निरंतरता के सामने टिक नहीं पाई।

लीग का फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को गुरुग्राम यूनिवर्सिटी के मल्टीपर्पज हॉल में खेला जाएगा।

जीआईपीकेएल की यह पहल न केवल महिला खिलाड़ियों के कौशल को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है, बल्कि यह आने वाले समय में अन्य खेल आयोजनों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है।

शरवरी वाघ

नहीं, रणवीर सिंह की फिल्म में नेशनल अवॉर्ड विनर एक्ट्रेस की एंट्री! कब और कहां होगा शूट? पता लग गया

रणवीर सिंह जल्द से जल्द अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग खत्म कर दूसरे प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ना चाहते हैं. हाल ही में पता लगा था कि उन्होंने 'धुरंधर' का काम लगभग पूरा कर लिया है. इसके बाद वो अगले प्रोजेक्ट्स की तरफ बढ़ेंगे. यहां एक फिल्म का काम पूरा हुआ, तो दूसरी ओर 'डॉन 3' को लेकर नया अपडेट आ गया. कियारा आडवाणी के फिल्म से एग्जिट के बाद से ही नई फीमेल लीड की तलाश की जा रही थी. बीते दिनों शरवरी वाघ का भी नाम सामने आया था. लेकिन अब मेकर्स ने एक नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस को फाइनल कर लिया है.

पिंकविला पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि कृति सेनन की फिल्म में एंट्री हो गई है. वो डॉन 3 में बतौर फीमेल लीड नजर आएंगी. वो इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर चुकी हैं. दरअसल एक्ट्रेस को फिल्म 'मिमी' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला था. हालांकि, पहले इस रोल के लिए शरवरी वाघ का नाम सामने आ रहा था.

रणवीर सिंह की 'डॉन 3' में किसकी एंट्री ?

रिपोर्ट के मुताबिक, कृति सेनन की फिल्म में एंट्री होने की खबरें हैं. ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि वो दो हफ्ते के अंदर इस फिल्म के लिए साइन कर देंगी.

फरहान अख्तर और एक्सेल एंटरटेनमेंट की क्रिएटिव टीम 'डॉन 3' में एक एक्सपीरियंस एक्ट्रेस को लेना चाहते हैं. उनके मुताबिक, कृति सेनन इस प्रोजेक्ट के लिए बिल्कुल सही हैं. उनके पास स्क्रीन पर रोमांटिक किरदार निभाने का एक्सपीरियंस भी है. ऐसा कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस भी इस फिल्म के लिए काफी एक्साइटेड हैं.

इसके अलावा फरहान अख्तर ने 'डॉन 3' के लिए लोकेशन की तलाश भी कर ली है. वो पहले ही इस काम को पूरा कर चुके थे. जल्द ही इंटरनेशनल स्टंट टीम के साथ एक्शन ब्लॉक पर बैठेंगे. दरअसल 'डॉन 3' को बड़े लेवल पर यूरोप में शूट किया जाएगा. साथ ही लोकेशन पहले ही तय हो चुकी हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, स्क्रिप्ट भी तैयार हो चुकी है. अब बस एक्शन डिजाइन के साथ-साथ थोड़ी पॉलिशिंग करना बाकी रह गया है. हालांकि, प्री-प्रोडक्शन वर्क फिलहाल अगले कुछ महीनों तक चलने वाला है. टीम का प्लान है कि अक्टूबर या नवंबर 2025 तक फिल्म की शूटिंग शुरू हो सके.

इस फिल्म का शूट किया पूरा

'डॉन 3' का काम शुरू करने से पहले कृति सेनन ने अपनी एक फिल्म का शूट पूरा कर लिया है. आनंद एल राय के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 'तेरे इश्क में' वो दिखने वाली हैं. हालांकि वो नई नवेली के लिए भी चर्चा में हैं. कहा जा रहा है कि उन्हें हॉरर फिल्म के लिए फाइनल किया जा सकता है, जो साल 2026 में रिलीज की जाएगी.

पत्रलेखा से पहले किस लड़की पर फिदा थे राजकुमार राव? उसके चक्कर में 25 लड़कों ने कर दी थी एक्टर की पिटाई

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता राजकुमार राव ने अपनी दमदार एक्टिंग के जरिए फैंस को कई बार अपना मुरीद बनाया है. उन पर लाखों लड़कियां भी फिदा हैं. लेकिन सालों पहले राजकुमार अपनी फीमेल फैंस का दिल तोड़ चुके थे, जब उन्होंने एक्ट्रेस पत्रलेखा से शादी कर ली थी.राजकुमार राव और पत्रलेखा ने एक दूसरे को डेट करने के बाद नवंबर 2021 में शादी रचा ली थी. दोनों की शादी को तीन साल पूरे हो चुके हैं. लेकिन क्या आप ये जानते हैं कि पत्रलेखा पर जान छिड़कने से पहले राजकुमार किस पर फिदा थे ? तो इसका जवाब है वो अपनी क्लासमेट को पसंद करते थे. लेकिन स्कूल की उस लड़की के चक्कर में एक बार राजकुमार राव की 25 लड़कों ने मिलकर पिटाई कर दी थी.

क्लासमेट पर आया था राजकुमार का दिल

राजकुमार राव 11वीं क्लास के दौरान गुरुग्राम में मॉर्डन फैंसी ब्लू बेल्स स्कूल में पढ़ाई करते थे. राजकुमार ने एक दिन अपनी क्लास की एक लड़की को फुटबॉल खेलते देखा तो वो उस पर दिल हार बैठे थे. हालांकि उस लड़की का पहले से ही एक बॉयफ्रेंड था.

25 लड़कों ने की थी राजकुमार की पिटाई

जब उस लड़के को ये बात पता चली कि राजकुमार राव उसकी गर्लफ्रेंड पर डोरे डाल रहे हैं तो वो लड़का भड़क गया. इसके बाद गुस्से में उसने 25 लड़कों को बुला लिया था. उन लड़कों ने मिलकर राजकुमार की पिटाई कर दी थी. लेकिन मार खाते राजकुमार को सिर्फ एक ही टेंशन थी. पिटाई के दौरान राजकुमार उन लड़कों से एक ही अपील करते रहे कि मुझे चेहरे पर न मारे क्योंकि मुझे एक्टर बनना है. ये किस्सा खुद राजकुमार ने अपने एक इंटरव्यू में शेयर किया था.

'भूल चूक माफ' में नजर आएंगे राजकुमार

राजकुमार साल 2024 में फिल्म 'स्त्री 2' के जरिए काफी चर्चाओं में रहे. राजकुमार और श्रद्धा कपूर की इस फिल्म ने भारत में रीब 600 करोड़ रुपये और वर्ल्डवाइड 857 करोड़ रुपये की कमाई की थी. अब राजकुमार फिल्म 'भूल चूक माफ' में नजर आने वाले हैं.

इस फिल्म को देखते ही रोने लगा था अजय देवगन का बेटा युग, फिर मार दिया था 'सिंघम' को थप्पड़

हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता अजय देवगन ने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्में दी हैं. उन्होंने बड़े पर्दे पर हर तरह के किरदार निभाए हैं. अजय के करियर में एक फिल्म ऐसी भी रही जिसे देखने के बाद उनका बेटा युग देवगन रोने लगा था. इतना ही नहीं तब युग ने पिता अजय देवगन को थप्पड़ भी मार दिया था.जिस फिल्म को देखने के बाद अजय देवगन के बेटे युग के आंसू छलक पड़े थे उसका नाम है 'गोलमाल अगेन'. साल 2017 में आई इस फिल्म को अजय देवगन एक बार अपनी फैमिली के साथ बैठकर देख रहे थे. तब परिणीति चोपड़ा के किरदार की मौत के बाद युग इमोशनल हो गए थे और उनकी आंखों में आंसू आ

गए थे.

युग ने अजय को मारा था थप्पड़

अजय देवगन अपने दोनों बच्चों बेटे युग और बड़ी बेटी नीसा देवगन को बेहतर परवरिश देने के लिए जाने जाते हैं. इंडस्ट्री में अजय को 'बेस्ट पिता' के रूप में भी जाना जाता है. उनका अपने दोनों ही बच्चों के साथ खास बॉन्ड है. लेकिन ऐसा क्या हुआ था जो युग ने अजय को गोलमाल अगेन देखते हुए अपने नन्हे-नन्हे हाथों से मार दिया था.

अजय देवगन से एक इंटरव्यू के दौरान बेटे युग को लेकर कोई किस्सा शेयर करने के लिए कहा गया था. इस पर उन्होंने बताया था कि गोलमाल अगेन देखने के दौरान जब परिणीति के किरदार की मौत हुई तो युग रोने लगा था और बाकी सब हंस रहे थे. अभिनेता ने कहा, वे जोर से हंसे. काजोल हंसना बंद नहीं करती हैं. मेरा बेटा सेकेंड हाफ में रोया, दो बार और उसने मुझे भी थप्पड़ मारा. परी (परिणीति चोपड़ा) की मौत पर उसके आंसू लुढ़क रहे थे. वो मेरी गोद में बैठा था और मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ और उसने मुझे सिर्फ यह कहते हुए एक दिया कि 'मुझे रोते हुए मत देखो'. यह बहुत मजेदार है. यहां तक कि मेरे साथ घर के लोग भी इस पर हंसते हैं.

2010 में हुआ था युग का जन्म

अजय और काजोल ने साल 1999 में शादी की थी. 2003 में दोनों ने बेटी नीसा देवगन का वेलकम किया था. वहीं युग का जन्म सितंबर 2010 में हुआ था. युग 14 साल के हो चुके हैं.

रणबीर कपूर बाप बहुत अच्छा है...

आलिया भट्ट

के सौतेले भाई राहुल भट्ट का दावा

आलिया भट्ट और रणबीर कपूर जब से माता-पिता बने हैं दोनों अपनी बेटी राहा से कसे जुड़े किस्से सभी के साथ शेयर करते रहते है. रणबीर अपनी बेटी राहा के साथ खास बॉन्ड शेयर करते हैं. आलिया भी इस बात का खुलासा कर चुकी हैं कि राहा के साथ रणबीर बिल्कुल बदल जाते हैं. अब आलिया भट्ट के सौतेले भाई और महेश भट्ट के बेटे राहुल भट्ट ने हाल ही में पिंकविला के हिंदी रश के साथ एक खास बातचीत की है. उन्होंने रणबीर के अच्छे पिता होने के लिए उनकी तारीफ भी की.राहुल भट्ट से रणबीर कपूर के बारे में उनकी राय और उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में खुद को ट्रेंड करने के तरीके के बारे में पूछा गया. इसके जवाब में उन्होंने कहा, रणबीर एक बेहतरीन पिता हैं. मुझे लगता है कि यही सबसे महत्वपूर्ण बात है. एक आदमी कोज मैं उनका इस तरह सम्मान करता हूं. जब उनसे उनके एक्टिंग स्किल्स के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जवाब दिया, एक्टिंग ? पता नहीं मुझे ये सब कुछ समझ में नहीं आता हैज एक्टिंग कौन है, एक्टर कौन है, एनिमल कौन है, कपूर कौन है ? मेरे को कुछ फ़र्क नहीं पड़ता.

बाप अच्छा है बस - राहुल भट्ट

बाप अच्छा है बसज्मैं सम्मान करता हूंज्बाप बहुत अच्छा हैज्अपनी बच्ची से बहुत प्यार करता है और मेरे लिए उससे अच्छा कोई चीज मायने नहीं रखती है लाइफ में ये बाकी नाम. शोहरत, एनिमल वेनिमल आएगा जाएगा घूम फिर के बात आती है वह एक अच्छा पिता हैज्वह मेरी सौतेली बहन का सम्मान करता है बस बाकी सब सप्लीमेंटल है. इसके अलावा, उन्होंने यह भी याद किया कि जब वह एनिमल की तैयारी कर रहे थे, तब रणबीर कपूर ने उनसे सलाह मांगी थी.

रणबीर कपूर ने मांगी थी सलाह

राहुल ने कहा एनिमल की तैयारी के दौरान, उनके पास कुछ सवाल थे. वह हथियारों की ट्रेनिंग के लिए अबू धाबी जा रहे थे और उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या यह एक अच्छी जगह है. वह ह्यूमन कंडीशन के बारे में बहुत ईमानदार और जिज्ञासु हैं. मैं उन्हें तब से जानता हूं जब वह एक बच्चे थे. वह बॉम्बे स्कॉटिश गए थे और मैं आर्य मंदिर में था. सबसे इंप्रेसिव बात ये है कि वह एक बेतरीन पिता हैंज्बाकी कुछ भी मायने नहीं रखता.

विश्व नेताओं ने पीएम मोदी को फोन कर जताई भारत के साथ एकजुटता

एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया

नई दिल्ली
जम्मू-कश्मीर में हुए भीषण आतंकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख दिखाया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की और आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से भारत के साथ खड़े होने का संकल्प दोहराया। जार्डन के किंग और जापान के प्रधानमंत्री ने भी फोन कर हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के लोगों और पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने भारतीय धरती पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हमले की कड़ी निंदा की और भारतीयों के साथ पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बर्बरता पूरी तरह से अस्वीकार्य है। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके देश का पूर्ण समर्थन व्यक्त किया।

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने फोन पर प्रधानमंत्री मोदी से जम्मू-कश्मीर में हुए हालिया आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। दोनों नेताओं ने आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए। जार्डन के किंग अब्दुल्ला इब्न अल-हुसैन ने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई है कि आतंक के हर रूप की निंदा की जानी चाहिए और इसे किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। ोदी ने इन नेताओं के साथ बातचीत के दौरान हमले की पृष्ठभूमि, इसके सीमापार चरित्र और आतंकवादी संगठनों की भूमिका पर जानकारी साझा की।

जापानी प्रधानमंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी से बात, आतंकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली
जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत कर जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में हुई मौतों पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने जान गंवाने वालों प्रति संवेदना जताते हुए कहा कि आतंकवाद को किसी भी परिस्थिति में न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने अपनी बातचीत में आतंकवाद को मानवता के लिए गंभीर खतरा बताया और इस बात पर जोर दिया कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करना चाहिए।
प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान हमला करने वालों की पृष्ठभूमि और सीमापार से जारी आतंकवादी गतिविधियों को लेकर भारत का आकलन साझा किया।

एलआईसी ने पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए रियायतों का किया ऐलान

पीड़ितों के मृत्यु दावा निपटान के लिए विशेष विंडो बनाई जाएगी

नई दिल्ली
सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी में हुई निर्दोष लोगों की दुखद मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। एलआईसी ने मृतक व्यक्तियों के लिए मृत्यु दावों के निपटान में तेजी लाने के लिए विशेष विंडो की घोषणा की है। एलआईसी ने पीड़ितों के मृत्यु दावे को जल्द से जल्द निपटाने के लिए विशेष रियायतों की घोषणा भी की है। मृत व्यक्तियों के आश्रितों को वित्तीय राहत प्रदान करने और दावों के निपटान में तेजी लाई जाएगी। एलआईसी ऑफ इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सीईओ और एमडी सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि एलआईसी ऑफ इंडिया इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ा है। सिद्धार्थ मोहंती ने एलआईसी पॉलिसियों के दावेदारों की कठिनाइयों को कम करने के लिए कई रियायतों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मृत्यु प्रमाण पत्र के बदले केंद्र या राज्य सरकार द्वारा भुगतान किया गया कोई भी मुआवजा मृत्यु के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जाएगा। एलआईसी ने कहा कि नॉमिनी को पता होना चाहिए कि मृत्यु दावा दायर करने की प्रक्रिया पूरी तरह से ऑफलाइन है। होम ब्रांच से संपर्क करने से पहले मृत्यु दावा दायर करने के लिए सभी आवश्यक दस्तावेज अपने पास रख लेने चाहिए, जहां से पॉलिसी जारी की गई थी। बीमा कंपनी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे कि प्रभावित परिवारों के दावों का शीघ्रता से निपटान किया जाए। आगे की सहायता के लिए दावेदार निकटतम एलआईसी शाखा/मंडल/ग्राहक क्षेत्रों से संपर्क कर सकते हैं।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने राष्ट्रपति जाएंगी वेटिकन सिटी

नई दिल्ली
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए दो दिवसीय यात्रा पर वेटिकन सिटी जाएगी। यहां पर वे भारत सरकार और जनता की ओर से शोक व्यक्त करेंगी। राष्ट्रपति मुर्मु 25 अप्रैल को सेंट पीटर बेसिलिका में पोप फ्रांसिस को पुष्पांजलि अर्पित करेंगी। इसके बाद 26 अप्रैल को वे सेंट पीटर स्क्वायर में आयोजित अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। इसमें विश्वभर के कई प्रमुख नेता भी उपस्थित रहेंगे। पोप फ्रांसिस का निधन 21 अप्रैल को हुआ था। उनके निधन पर भारत ने तीन दिवसीय राजकीय शोक की घोषणा की थी। 26 अप्रैल को अंतिम संस्कार के दिन भी शोक रहेगा। विदेश मंत्रालय ने यात्रा की जानकारी देने के साथ कहा कि पोप फ्रांसिस को दुनिया भर में करुणा, विनम्रता और आध्यात्मिक साहस के प्रतीक के रूप में याद किया जाएगा।

टूटा 15 साल का रिकॉर्ड, सबसे गर्म रहा इस साल 24 अप्रैल

नई दिल्ली
साल 2025 में 24 अप्रैल का दिन बीते 15 सालों में सर्वाधिक गर्म दर्ज किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के आंकड़ों के अनुसार, 2011 से लेकर अब तक पहली बार ऐसा हुआ है कि 24 अप्रैल के दिन अधिकतम तापमान 41.2 रहा है। इससे पहले सर्वाधिक गर्म दिन साल 2019 में रहा था, उस साल 24 अप्रैल के दिन दिल्ली का अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री दर्ज किया गया था। बतादें कि गुरुवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.5 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। आईएमडी ने 25-26 अप्रैल के लिए पीली चेतावनी भी जारी करते हुए लू की स्थिति रहने की आंशका जताई है। 25-26 अप्रैल को अधिकतम तापमान 41-43 व न्यूनतम तापमान 22-25 डिग्री तक पहुंचने की बात कही है। हालांकि राजधानी दिल्ली में गुरुवार को न्यूनतम तापतान सामान्य से 2.7 कम 20.0 डिग्री दर्ज किया गया। लेकिन रिज निगरानी केंद्र में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 अधिक 42.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं आया नगर में 41.6 व सफदरजंग में 41.2 डिग्री रहा। सुबह जहां दक्षिण-पश्चिमी सतही हवाओं की रफ्तार 5-10 किलोमीटर प्रतिघंटा रहीं, वहीं सुबह 11 बजे के बाद उत्तर-पश्चिमी सतही हवाओं की रफ्तार 15-20 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज की गई।

आतंकी हमले में मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि स्वरूप आज बंद रहेंगे दिल्ली के बाजार

नई दिल्ली
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी में पर्यटकों पर आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की जान जाने पर व्यापारियों में गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त है। इस दुखद घटना के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने एवं सरकार को समर्थन देने के लिए दिल्ली के प्रमुख व्यापारिक संगठनों ने 25 अप्रैल, शुक्रवार को दिल्ली व्यापार बंद करने का आह्वान किया है। कारोबारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इस आह्वान को पूर्ण समर्थन देते हुए दिल्ली के समस्त व्यापारियों से अपील की है कि वे शुक्रवार, 25 अप्रैल को अपने प्रतिष्ठान को स्वेच्छा से बंद रखें और शांतिपूर्ण तरीके से बंद का पालन करें। इससे पहले राष्ट्रीय राजधानी में कई व्यापारी संगठनों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए विरोध-प्रदर्शन भी किया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि यह बंद कोई विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक श्रद्धांजलि और राष्ट्र के प्रति एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हम सभी व्यापारियों से अपील करते हैं कि वे अपने-अपने बाजारों में सुरक्षा के सभी आवश्यक एहतियाती उपाय अपनाएं और सुनिश्चित करें कि बंद के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। इसके साथ ही कैट ने दिल्ली पुलिस और प्रशासन से भी अनुरोध किया है कि वे इस बंद के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखें और सभी बाजारों में शांतिपूर्ण माहौल सुनिश्चित करें।

सीएम ने की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक, मानसून से पहले युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में गुरुवार को दिल्ली सचिवालय में लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की गई। बैठक में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह और मुख्य सचिव धर्मेंद्र भी मौजूद रहे। इस समीक्षा बैठक के दौरान राजधानी में जलभराव की स्थिति, नालों की सफाई, ड्रेनेज सिस्टम की मरम्मत और सड़कों की हालत को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने बैठक में जलभराव के प्रत्येक बिंदु पर नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी को एक सप्ताह के भीतर अपने-अपने क्षेत्रों के लिए ठोस एक्शन प्लान प्रस्तुत करने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सात अति-संवेदनशील जलभराव स्थलों की सीधी निगरानी प्रमुख सचिव और इंजीनियर-इन-चीफ द्वारा की जाएगी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि जूनियर इंजीनियर से लेकर उच्च अधिकारियों तक प्रत्येक स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाए और हर बिंदु पर निगरानी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि दिल्ली को जलभराव-मुक्त, स्वच्छ और सुगम बनाने के लिए कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके अतिरिक्त सड़कों के सुदृढ़ीकरण, गड्ढों की मरम्मत और सेन्ट्रल वर्जेस को हरा-भरा बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार के द्वारा मानसून से पहले ही युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

तिलक नगर मार्केट में चला बड़ा अतिक्रमण विरोधी अभियान, SDM, MCD और दिल्ली पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

दिव्या दिल्ली : तिलक नगर मार्केट में आज एक बड़ा अतिक्रमण हटाओ अभियान सफलतापूर्वक चलाया गया, जिसका नेतृत्व SDM पटेल नगर डॉ. नितिन शाक्य ने किया। यह अभियान नगर निगम और दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय में चलाया गया। इसका उद्देश्य अवैध ढांचों, रेहड़ी-पटरी वालों और अनाधिकृत पार्किंग के कारण होने वाली भीड़भाड़ और ट्रैफिक जाम की समस्या को समाप्त करना था। संयुक्त टीम ने पैदल चलने वाले रास्तों और सार्वजनिक मार्गों को घेरने वाले कई अवैध निर्माण, ठेले और अस्थायी दुकानें हटाईं। इस दौरान बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस, टऊऊ स्टाफ और राजस्व विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।स्थानीय निवासी संतोष ने कहा,इस अभियान से इलाके की ट्रैफिक की समस्या काफी हद तक हल हो गई है। पहले चलना तक मुश्किल हो गया था।शुभम, एक दुकानदार ने प्रशासन की सराहना करते हुए कहा,अब गुरुजी देवी अस्पताल तक एंबुलेंस की एंट्री बिल्कुल आसान हो गई है। रऊट का यह कदम बहुत जरूरी था।"रऊट ने अवैध ई-रिक्शा पार्किंग पर सख्त चेतावनी दी और कहा कि मार्केट के प्रवेश द्वार के पास ई-रिक्शा पार्किंग की अनुमति नहीं होगी। नियमित चालान किए जाएंगे ताकि जनता को निर्बाध रूप से चलने-फिरने की सुविधा मिल सके। अब ई-रिक्शा को मुख्य प्रवेश बिंदुओं से दूर पार्क करना होगा साथ ही, रऊट ने दिल्ली पुलिस को निर्देशित किया कि टऊऊ द्वारा हटाए गए अतिक्रमण फिर से न हों, इसके लिए ** रलड तिलक नगर को जिम्मेदारी सौंपी गई है कि वे स्वयं इस पर निगरानी रखें।इसके अतिरिक्त, इएएर अधिकारियों को आदेश दिया गया कि वे मार्केट में दिए गए अवैध बिजली कनेक्शनों को तत्काल काटें, जो अवैध दुकानों को बिजली उपलब्ध करा रहे थे। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने मौके पर ही कई चालान किए, खासकर अवैध पार्किंग और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के लिए। यह प्रशासन की उस प्रतिबद्धता को दशार्ता है जिसमें जनता की सुविधा और कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।
स्थानीय निवासियों ने इस अभियान की सराहना की और आशा जताई कि ऐसे नियमित अभियान चलते रहें ताकि बाजार क्षेत्र में बनी साफ-सुथरी और सुगम व्यवस्था कायम रह सके।

पहलगाम हमले पर ओवैसी की मुस्लिमों से अपील, नमाज-ए-जुम्मा में काली पट्टी बांधकर दें एकजुटता का संदेश

नई दिल्ली
पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर एआईएमआईएम के नेता और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने देश के मुसलमानों से एक विशेष अपील की है। उन्होंने कहा है कि शुक्रवार को नमाज-ए-जुम्मा अदा करने वाले अपनी बांह पर काली पट्टी बांधकर जाएं। एक एक्स पोस्ट में ओवैसी ने कहा कि इससे एक स्पष्ट संदेश दिया जा सकेगा कि भारतीय मुसलमान विदेशी ताकतों को देश की शांति और एकता को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे। ओवैसी ने कहा, इस हमले की वजह से कुछ शर-पसंद ताकतों को हमारे कश्मीरी भाइयों को निशाना बनाने का मौका मिल गया है। मैं तमाम भारतीयों से अपील करता हूँ कि वो दुश्मनों की इस चाल में न फँसें। हम सबको मिलकर देश की एकता और भाईचारे को मजबूत करना है।

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

नई दिल्ली
रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आंतकी हमले के घायल लोगों के लिए रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।
पहलगाम आतंकी हमले पर मुकेश अंबानी ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले में निर्दोष भारतीयों की मौत पर रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ शोक व्यक्त करता हूं।
हम हमले में घायल हुए सभी लोगों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। अंबानी ने कहा कि मुंबई में हमारा रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल पहलगाम आतंकी हमले में सभी घायलों को मुफ्त इलाज मुहैया कराएगा।

मानव एकता दिवस - निष्काम सेवा का अनुपम संकल्प

दिव्या दिल्ली : प्रेम और भाईचारे की भावना को उजागर करता ह्यमानव एकता दिवसह्न, निरंकारी मिशन द्वारा प्रति वर्ष 24 अप्रैल को बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में श्रद्धा और आध्यात्मिक भावनाओं से परिपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जाता है। यह दिन केवल पुण्य स्मरण का अवसर नहीं, अपितु मानवता, सौहार्द और एकत्व की भावनाओं का एक आत्मिक संगम है।
मानव एकता दिवस के अवसर पर मिशन द्वारा देशभर में रक्तदान की प्रेरक श्रृंखला आरंभ होती है, जो निःस्वार्थ सेवा भावना की सामूहिक जागृति का स्वरूप बनकर पूरे वर्ष समाज में प्रवाहित होती रहती है। इसके साथ ही सत्संग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रेम, शांति और समरसता का प्रकाश भी जन-जन तक पहुँचाया जाता है। यह दिन इस बात

का परिचायक है कि सेवा केवल एक कार्य नहीं, अपितु निष्काम समर्पण का आत्मिक भाव है।
इस वर्ष भी, संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा पूरे भारतवर्ष की लगभग 500 से अधिक ब्रांचों पर भव्य रक्तदान शिविरों की अविरल श्रृंखला आयोजित की गई। दिल्ली स्थित ग्राउंड नंबर 8, निरंकारी चौक बुराड़ी में आयोजित हुआ रक्तदान शिविर विशेष रूप से केंद्र बिंदु रहा, जहाँ श्रद्धालु अधिक संख्या में सम्मिलित हुए। सभी ने पूर्ण उत्साह और समर्पण के साथ स्वेच्छा भाव से रक्तदान कर मानव कल्याण में अपना सहयोग दिया। युगद्दष्टा बाबा गुरबचन सिंह जी ने सत्य बोध के माध्यम से समाज को अंधविश्वासों और कुरीतियों से मुक्त कर, नशा मुक्ति, सादा विवाह और युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ जोड़ने जैसे लोक-कल्याणकारी अभियानों की प्रेरक शुरूआत की। उनके पावन मार्गदर्शन को आगे बढ़ाते हुए बाबा हरदेव सिंह जी ने रक्त नाड़ियों में बहे, नालियों में नहीं का अमर संदेश देकर रक्तदान को मिशन की आध्यात्मिक सेवा का अभिन्न अंग बना दिया। यह संदेश आज भी प्रत्येक निरंकारी भक्त के हृदय में सेवा और समर्पण की प्रेरक लौ बनकर जीवंत है।
संत निरंकारी हेल्थ सिटी की मेडिकल डाइरेक्टर गीतिका दुग्गल ने जानकारी देते हुए बताया कि आज सम्पूर्ण भारतवर्ष में आयोजित रक्तदान श्रृंखला में लगभग 30,000 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया, जिनमें से केवल दिल्ली शिविर में ही लगभग 1,000 यूनिट रक्तदान हुआ।
यह दिवस चाचा प्रताप सिंह जी सहित उन सभी समर्पित बलिदानी संतों की पुण्य स्मृति का प्रतीक है, जिन्होंने मानव एकता, निःस्वार्थ सेवा और आध्यात्मिक चेतना के मार्ग पर चलते हुए अपना संपूर्ण जीवन अर्पित कर दिया। मानव एकता दिवस उन्हीं संतों के दृढ़ विश्वास व संकल्प की प्रेरणा को जीवंत करता है।इन रक्तदान शिविरों में इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों जैसे एम्स , डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, गुरु तेग बहादुर अस्पताल, सफदरजंग, दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल, लोक नायक जय प्रकाश नारायण अस्पताल, हिन्दू राव अस्पताल इत्यादि की विशेषज्ञ टीमों ने भाग लिया। पूर्ण स्वास्थ्य जांच, स्वच्छता का विशेष ध्यान और रक्तदाताओं के लिए उत्तम जलपान व्यवस्था ने इस सेवा को और भी व्यवस्थित एवं सम्मानजनक बनाया

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397